

मांगों को लेकर सविदा स्वास्थ्यकर्मी करेंगे आज कार्य बहिष्कार

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

लखीमपुर खीरी। एनएच एम के तहत काम कर रहे स्वास्थ्यकर्मी गुरुवार से कार्य बहिष्कार कर रहे हैं। इससे इमरजेंसी छोड़ सभी सेवाएं प्रभावित रहेगी। सविदाकर्मियों ने अपनी मांगो को लेकर काला फीता बांध काम कर रहे हैं। आठ अक्टूबर को कार्य बहिष्कार करेंगे। सविदा स्वास्थ्य कर्मियों ने नियमितीकरण और ‘समान कार्य–समान वेतन’ की मांग को लेकर मोर्चा खोल दिया है। जिले के समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, टीबी अस्पताल, दोनो जिला अस्पतालों और सीएमओ कार्यालय में तेनात एनएचएम कर्मियों ने काली पट्टी बांधकर कार्य किया और अपना विरोध दर्ज करारया। १यूनियन के जिलाध्यक्ष विकास श्रीवास्तव और संरक्षक संजय राय ने बताया कि कोविड महामारी और टीकाकरण जैसे राष्ट्रीय कार्यक्रमों में अपनी जान जोखिम में डालकर सेवाएं देने के बावजूद इन कर्मचारियों को उचित वेतन और सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। एनएचएम सविदा कर्मियों ने काली पट्टी बांध किया प्रदर्शन सरकार को 10 दिन का अल्टीमेटम देने के बाद अब कर्मचारी चरणबद्ध आंदोलन पर उतर आए हैं। १सीएमओ कार्यालय कार्यकारिणी अध्यक्ष लाला सिंह ने बताया प्रदेश रणनीति के अनुसार 6 से 8 अक्टूबर तक काली पट्टी बांधकर विरोध जताया जा रहा है। इसके बाद 8 से 10 अक्टूबर तक मुख्यालय पर शांतिपूर्ण कार्य बहिष्कार होगा तथा 12 अक्टूबर से लखनऊ में प्रदेशव्यापी अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरु की जाएगी।

छात्र–किसान संगठनों का ‘बलिया बंद’ और ‘छात्र कफ्यू’ का ऐलान

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

बलिया। अपनी विभिन्न मांगों को लेकर अड़े छात्र नेताओं और किसान संगठनों ने आज, 9 अक्टूबर को संपूर्ण बलिया बंद और छात्र कफ्यू का देशव्यापी आह्वान किया है। प्रशासन और आंदोलनकारियों के बीच हुई मैराथन वार्ता विफल होने के बाद छात्र नेताओं ने आंदोलन को और उग्र करने की चेतावनी दी है। सुरक्षा के लिहाज से पूरे जिले में भारी पुलिस बल और सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट पर रखा गया है। आंदोलनकारी संगठनों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन प्रशासन को सौंपकर आर–पार की लड़ाई का मन बना लिया है। प्रशासन के साथ बातचीत विफल होने के बाद आंदोलनकारियों ने यह कदम उठाया है, जिसके चलते पूरे जिले में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और भारी पुलिस बल तेनात किया गया है। आंदोलनकारी सभी स्नातक और परास्नातक छात्रों को तुरंत टैबलेट व स्मार्टफोन देने, कॉलेजों में बंदी हुई फीस वापस लेने और रुक्री हुई छात्रवृत्ति को बहाल कर उसे देगुना करने की मांग कर रहे हैं। इसके साथ ही सरकारी विभागों में खाली पदों पर तत्काल भर्द भर्तियां निकालने, बाढ़ और चक्रवात से प्रभावित किसानों की पूरी कर्जमाफी व मुआवजा देने और उत्तर प्रदेश में 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने की मांग भी शामिल है। इस बंद के कारण बलिया में बाजारी और दुकानों के बंद रहने की पूरी आशंका है क्योंकि व्यापारिक सगठनों से समर्थन मांगा गया है। मुख्य वीरगढ़ी और हाइवे पर चक्का जाम की स्थिति को देखते हुए प्रशासन रूट डायवर्जन लागू कर सकता है, वहीं कानून–व्यवस्था बनाए रखने और सोशल मीडिया पर अफवाहों को रोकने के लिए प्रशासन सख्त रवैया अपनाए हुए है।

एनएचआई ने पुलिस–प्रशासनिक मौजूदगी में हटवाया अतिक्रमण

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

बलिया। बैरिया इलाके के चांददियर के पास पुलिस–प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में बुधवार को एनएचआई की ओर से अतिक्रमण हटवाया गया। इस कार्रवाई को लेकर लोगों में खलबली मची रही। ग्रीन एक्सप्रेस–वे रोड का चौड़ीकरण अभियान चलाया गया। बताया जाता है कि ग्रीनफील्ड–वे निर्माण को लेकर चांददियर के पास मौजूद कुछ लोगों की जमीन को अधिग्रहण किया गया था। मुआवजा देने के बावजूद उन्होंने पक्का निर्माण नहीं हटया तो नोटिस जारी किया गया। हालांकि इसके बावजूद वह निर्माण को हटा नहीं रहे थे जिसके चलते उक्त जगह पर काम नहीं हो पा रहा था। नायब तहसीलदार और पुलिस के साथ पहुंची टीम ने जेसीबी से पक्के निर्माण को ध्वस्त कर दिया।

केशव ग्रीन सिटी मामले में डीएम राजा गणपति आर ने दिए जांच के आदेश

- ADM न्यायिक की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय टीम गठित
- सिटी मजिस्ट्रेट व SDM सदर शामिल एक सप्ताह में रिपोर्ट देने के निर्देश

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सीतापुर। केशव ग्रीन सिटी से जुड़े विवाद और हाल में आई बाढ़ के बाद उत्पन्न जलभराव की स्थिति को लेकर जिलाधिकारी राजा गणपति आर ने विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं। डीएम के निर्देश पर ग्रन्थन्यायिक की अध्यक्षता में जांच समिति गठित की गई है जिसमें सिटी मजिस्ट्रेट और सख्ससदर को भी शामिल किया गया है। समिति को एक सप्ताह के भीतर जांच पूरी कर विस्तृत आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।जांच के दौरान केशव ग्रीन सिटी के लेआउट प्लान भूमि की स्थिति, नदी क्षेत्र रजिस्ट्री निर्माण से संबंधित अभिलेखों



तथा कॉलोनी विकसित किए जाने में निर्धारित मानकों के अनुपालन की पड़ताल की जाएगी। इसके अलावा राजस्व एवं प्रशासनिक स्तर से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जाएगी।

नदी क्षेत्र के करीब कॉलोनी बसाए जायें पर उठे सवाल

बताया जा रहा है कि केशव ग्रीन सिटी सरायन और पिरही नदियों के आसपास के क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-30 से करीब 15-20 फीट नीचे स्थित भूभाग में विकसित की गई है। हाल की बाढ़ में कॉलोनी में बड़े पैमाने पर जलभराव होने के बाद कॉलोनी के निर्माण और भूमि चयन को लेकर सवाल

घुसपैठियों के लिए हक के लड़ रहा विपक्ष: नीतिन नवीन

- लोगों ने पिछले 12 वर्षों में बदलती काशी और उत्तर प्रदेश को देखा : सीएम योगी**

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

वाराणसी। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को वाराणसी में कहा- दिल्ली में नेता प्रतिपक्ष (राहुल गांधी) असामाजिक तत्वों के मुद्दे पर अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। विपक्ष जिन घुसपैठियों को हक दिलाने की बात कर रहा है, भारत की जनता उन्हें कभी हक नहीं देने देगी। अगर स्टूक्रके जरिए ऐसे लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए जाते हैं और इसे लेकर लोकतंत्र पर सवाल उठाए जाते हैं, तो सवाल विपक्ष पर ही उठता है। इस अराजकतावादी सोच का जवाब देश की जनता देगी।काशी में राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नितिन नवीन जगतपुर इंटर कॉलेज में यह पहली

दशहरें पर काशी के बरेका ग्राउंड में इस बार नहीं जलेगा 10 सिरों वाला रावण

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

वाराणसी। बुराई पर अच्छाई के प्रतीक के महापर्व दशहरा को काशी में धूमधाम से मनाया जाता है। दशहरा पर वाराणसी में पूर्वांचल का सबसे बड़ा रावण का पुतला जलाया जाता है। बीते पांच दशक से वाराणसी के बरेका ग्राउंड में सबसे ऊंचे दस सिर वाले रावण का दहन होता है, लेकिन इस बार बरेका में 10 सिर वाले रावण की जगह पहली बार एक सिर वाला रावण जलाया जाएगा। फिलहाल रावण के इस पुतले को बनाने का काम जारी है। इस रावण के पुतले की ऊंचाई 70 फीट के करीब होगी। मेघनाथ का पुतला 65 और कुम्भकर्ण का 60 फीट का होगा। इस बार इस पुतले को तैयार करने में कागज के बजाए कपड़े का प्रयोग किया जा रहा है। कारिगर इस काम में 2 महीने पहले से जुट जाते है। रावण, मेघनाथ और कुम्भकर्ण के पुतले को तैयार करने वाले शमशाद बताते हैं कि कुछ सालों से दशहरा के करीब मौसम का बदला मिजाज देखने को मिलता है। इसकी वजह से 10 सिर वाले रावण को खड़ा



करने में काफी दिक्कत होती है। इसी कारण इस बार एक सिर वाले रावण को तैयार किया जा रहा है।

हर बार की तरह रावण दहन के साथ इस बार शानदार आतिशबाजी भी होगी। रावण के अंदर 50 हजार के पटाखे भी होंगे, जो रावण दहन के साथ जलेंगे। अलग से भी आतिशबाजी होगी। रावण दहन के दौरान बरेका मैदान के अंदर और बाहर लाखों लोगों की भीड़ होती है।

बरेका में होने वाले दशहरा मेला के लिए शमशाद का पूरा परिवार 2 महीने पहले से जुटा जाता है। बीती 3 पीढ़ियों से वे यहां रावण के पुतले को तैयार कर रहे हैं। शमशाद कहते हैं कि उन्हें इस काम में सुकून मिलता है। उनके परिवार के आधा दर्जन से ज्यादा सदस्य इस काम में जुटे रहते हैं। बरेका के 70 फीट वाले रावण को तैयार करने में 50 से ज्यादा बांस लगते हैं।

अब सागरपाली में बनेगी ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे की नई कनेक्टिविटी

लगभग 10 करोड़ रुपये की लागत से होगा निर्माण कार्य

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

बलिया। बलिया के लोगों को ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे से सीधे जोड़ने के लिए अब माल्देपुर की जगह सागरपाली में कनेक्टिविटी विकसित की जाएगी। इस पर करीब 10 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके लिए प्रशासनिक स्वीकृति मिल चुकी है, जबकि वित्तीय स्वीकृति का एनएचआई को इंतजार है। वित्तीय स्वीकृति मिलते ही निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। कनेक्टिविटी बनने के बाद बलिया शहर के लोगों को ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे से सीधे जुड़ने के साथ ही पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के जरिए लखनऊ और दिल्ली तक जाने का आसान रास्ता मिल सकेगा। सागरपाली बलिया शहर से करीब छह किलोमीटर दूर स्थित है। यहां ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे पर चढ़ने और उतरने के लिए मार्ग बनाया जाएगा। इससे शहरवासियों को एक्सप्रेसवे तक पहुंचने के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी। साथ ही एनएच-31 से आवागमन का विकल्प भी उपलब्ध रहेगा। गांग घाटी तक जाने वाले लोगों को भी इससे सुविधा मिलेगी। चितबड़ागांव के पास करीब 12 किलोमीटर की दूरी पर टोल प्रस्तावित है। वहीं ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे के फेज-टू को चालू करने की तैयारी भी तेज हो गई है। चितबड़ागांव के धर्मापुर के पास हाईटेशन ट्रांसमिशन लाइन एक्सप्रेसवे के निर्माण में बाधा बनी हुई थी। इसे हटाने के लिए बिजली निगम और एनएचआई की संयुक्त टीम ने सर्वे पूरा कर लिया है। लाइन शिफ्टिंग के लिए नए टावरों के स्थान भी चिन्हित कर लिए गए हैं। विद्युत आपूर्ति बंद करने के लिए शटडाउन की अनुमति मिलने के बाद लाइन शिफ्टिंग का काम शुरू होगा। अधिकारियों के अनुसार करीब एक माह में लाइन को शिफ्ट कर फेज-टू को चालू कर दिया जाएगा। एनएचआई के परियोजना निदेशक पौयूष अग्रवाल के अनुसार ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे का करीब 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। माल्देपुर में उपयुक्त स्थिति नहीं बनने के कारण सागरपाली में कनेक्टिविटी देने का प्रस्ताव है।

गाजीपुर–बलिया–मांझी निर्माणधीन ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे को पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से जोड़ने का काम लगभग पूरा हो चुका है। करीमुद्दीनपुर क्षेत्र में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के स्टोन-327 पर दोनों एक्सप्रेसवे को जोड़ा जाएगा। इससे बलिया के लोगों को पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के जरिए लखनऊ और दिल्ली की ओर जाने का सीधा मार्ग मिलेगा।

फिलहाल बलिया से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे तक पहुंचने के लिए करीब 45 किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ती है। ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे और सागरपाली कनेक्टिविटी बनने के बाद यह दूरी कम होगी और यात्रा समय में भी बचत होगी। संबंधित स्थानों पर मार्ग की जानकारी के लिए साईनेज भी लगाए जाएंगे हैं। परियोजना पूरी होने के बाद बलिया की सड़क की कनेक्टिविटी में बड़ा बदलाव आएगा। सागरपाली में कनेक्टिविटी बनने से शहर के लोगों को एक्सप्रेसवे तक सीधी पहुंच मिलेगी, जबकि करीमुद्दीनपुर के पास पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से जुड़ाव होने के बाद लखनऊ और दिल्ली की यात्रा भी अधिक सुगम हो सकेगी।

दुष्कर्म पीड़िता की मदद करना पड़ा भारी, स्कूल जा रही मां बेटी पर जानलेवा हमला, कार के शीशे तोड़े - मासूम की चीख वाला वीडियो वायरल, पुलिस ने तीन को हिरासत में लिया

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

ऊंचाहार, रायबरेली। जगतपुर थाना क्षेत्र के उड़वा गांव में कानून व्यवस्था को ठेंगा दिखाने वाली एक और सनसनीखेज वारदात सामने आई है। दुष्कर्म पीड़िता की मदद करने वाले युवक के परिवार को ही आरोपियों ने निशाना बना दिया।

बुधवार सुबह आरोपियों ने पीड़िता की मदद करने वाले कुंवर मोहित सिंह की पत्नी पर उस समय हमला कर दिया, जब वह अपनी मासूम बेटी को कार से स्कूल छोड़ने जा रही थीं। इस हमले में मां-बेटी दोनों घायल हो गईं। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। बताया जा

रहा है कि मंगलवार को गांव की दलित दुष्कर्म पीड़िता और उसके पति के साथ हुई संरेआम पिटाई के बाद गांव के कुंवर मोहित सिंह ने मानवता दिखाते हुए पीड़िता को अस्पताल पहुंचाया था और कोतवाली में तहरीर दिलाने में मदद की थी। इसी बात से नाराज होकर आरोपी पक्ष बुधवार को आक्रोशित हो गए। बुधवार सुबह उनकी पत्नी रिद्धिमा सिंह अपनी बेटी को कार से स्कूल ले जा रही थीं, तभी रास्ते में आरोपियों ने कार को ठेककर पथराव कर दिया। वायरल वीडियो में आरोपी कार के शीशे तोड़ते हुए दिख रहे हैं, जबकि कार के अंदर बैठी मासूम बच्ची अपनी मां से बचाव के लिए गुहार लगाती हुई सुनाई दे रही है।

इस दिल दहला देने वाली घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत फैल गई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। क्षेत्राधिकारी गिरजा शंकर त्रिपाठी ने बताया कि इस मामले में पीड़ित महिला रिद्धिमा सिंह और उनकी बेटी घायल हुई हैं। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गांव के तीन आरोपियों रितेश, शिवम और आयुष मिश्रा को हिरासत में लिया है। अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। सीओ ने कहा कि मामले में प्रभावी और कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

करणी सेना ने जताई नाराजगी , दी चेतावनी

जगतपुर के उड़वा गांव में महिला और उसकी मासूम बेटी पर हुए हमले

को लेकर सियासत तेज हो गई है । करणी सेना भारत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रूपेंद्र बहादुर सिंह ने घटना को लेकर पुलिस अधीक्षक से बात की और जगतपुर कोतवाली पहुंचकर मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की है । उन्होंने बताया कि यह घटना ये साबित करती है कि अपराधियों के हौसले कितने बुलंद है । उन्होंने कहा कि इसमें पुलिस दूसरी कोई इस प्रकार कोशिश करने का दुस्साहस न कर सके । उधर जिला पंचायत की प्रशासक रंजना चौधरी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डालकर घटना को लेकर नाराजगी जताई है और कहा है कि पुलिस यदि पहले चेत जाती तो घटना न होती ।

गन्ना समितियों की सदस्यता और उपज बढ़ोतरी के लिए 10 अक्टूबर तक आवेदन का मौका

लखनऊ एजेंसी। प्रदेश की गन्ना समितियों से अब तक सदस्य नहीं बन पाए किसान 10 अक्टूबर 2026 तक नई सदस्यता ले सकेगें। निर्धारित समय-सीमा तक सदस्यता लेने वाले किसानों को आगामी पेराई सत्र में चीनी मिलों को गन्ना आपूर्ति करने की सुविधा मिलेगी। वहीं, जिन गन्ना किसानों की उपज जिले की औसत उपज से अधिक है, वे उपज बढ़ोतरी का लाभ लेने के लिए भी 10 अक्टूबर तक संबंधित समिति में आवेदन कर सकेगें।चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे शेष तीन दिनों में संबंधित गन्ना समिति पहुंचकर सदस्यता संबंधी आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर लें। विभाग के अनुसार निर्धारित तिथि तक आवेदन करने वाले पात्र गन्ना किसानों को ही उपज बढ़ोतरी का लाभ दिया जाएगा।विभाग ने किसानों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए मुख्यालय स्तर पर 24 घंटे संचालित टोल-फ़्री किसान कॉल सेंटर भी स्थापित किया है। किसान किसी भी समस्या के समाधान के लिए टोल-फ़्री नंबर 1800-121-3203 पर संपर्क कर सकते हैं।

आशियाना पुलिस ने 2008 के लूट के मुकदमे में वांछित वारंटी को गिरफ्तार किया

लखनऊ एजेंसी। आशियाना थाना पुलिस ने न्यायालय से जारी गैर जमानती वारंट के अनुपालन में 2008 के लूट के मुकदमे में वांछित वारंटी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक उपनिरीक्षक अग्रचारी यादव के नेतृत्व में कांस्टेबल संजय सरोज के साथ पुलिस टीम ने आरोपी की तलाश में दबिश दी।पुलिस टीम ने गैर जमानती वारंट संख्या एसटी 1407/2008 और अपराध संख्या 226/2008 में धारा 392 भादवि के तहत न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश-18, लखनऊ के आदेश के अनुपालन में कार्रवाई की। पुलिस टीम पहले आरोपी के बताए पते पर पहुंची, लेकिन वह वहां मौजूद नहीं मिला। इसके बाद मुखबि्र की सूचना पर पुलिस ने जानकीपुरम क्षेत्र स्थित एक अन्य पते पर दबिश देकर आरोपी फिरोज खान उर्फ नदीम उर्फ कामरान उर्फ शेरखान, पुत्र मोहम्मद रफीक, उम्र करीब 56 वर्ष को 6 अक्टूबर 2026 को शाम करीब 4:05 बजे हिरासत में ले लिया।पुलिस ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध न्यायालय से गैर जमानती वारंट जारी था। गिरफ्तारी की कार्रवाई पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।गिरफ्तार आरोपी फिरोज खान उर्फ नदीम उर्फ कामरान उर्फ शेरखान विकास नगर का निवासी है और वर्तमान में जानकीपुरम क्षेत्र में रह रहा था। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक अग्रचारी यादव और कांस्टेबल संजय सरोज शामिल रहे।

जिलाबदर आदेश का उल्लंघन करने पर गोसाईगंज पुलिस ने युवक को गिरफ्तार किया

लखनऊएजेंसी गोसाईगंज थाना पुलिस ने जिलाबदर आदेश का उल्लंघन कर जनपद की सीमा में रहने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक पुलिस आयुक्त तरण गाबा के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस उपायुक्त दक्षिणी मो. मुश्ताक के पर्यवेक्षण, अपर पुलिस उपायुक्त दक्षिणी रल्लापल्ली वसन्थ कुमार और सहायक पुलिस आयुक्त गोसाईगंज ऋषभ यादव के मार्गदर्शन तथा प्रभारी निरीक्षक डी.के. सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई की।पुलिस के अनुसार 19 अगस्त 2026 को संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था), लखनऊ के न्यायालय द्वारा वाद संख्या 35(08)/2026 में उत्तर प्रदेश गुण्डा नियंत्रण अधिनियम, 1970 की धारा 3 के तहत शिवम के विरुद्ध छह माह के लिए जिलाबदर आदेश जारी किया गया था। 6 अक्टूबर की शाम पुलिस को मुखबि्र से सूचना मिली कि जिलाबदर किया गया शिवम ग्राम लोखरिया में गांव के बाहर स्थित मंदिर के पास बैठा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर उसे गिरफ्तार कर लिया।पुलिस ने बताया कि जिलाबदर आदेश का उल्लंघन करने के आरोप में शिवम के खिलाफ मु.अ.सं. 369/2026 के तहत उत्तर प्रदेश गुण्डा नियंत्रण अधिनियम, 1970 की धारा 10 में मुकदमा दर्ज किया गया है। आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।गिरफ्तार आरोपी की पहचान शिवम पुत्र नंदकिशोर, निवासी ग्राम लोखरिया, थाना गोसाईगंज, लखनऊ, उम्र करीब 26 वर्ष के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक उसके खिलाफ गोसाईगंज और सुशांत गोल्फ सिटी थानों में पहले से भी कई मुकदमे दर्ज हैं। इनमें वर्ष 2025 के दो, वर्ष 2024 का एक और वर्ष 2022 का एक मुकदमा शामिल है।

नौकरी तलाशने से आगे बढ़कर समाधान प्रस्तुत कर रहे युवा

यूपी राइज में दिखी नई सोच



के लिए चुना गया। इरम ने बताया कि उन्होंने एंटीऑक्सिडेंट गुणों वाले हाइड्रोजेल पर काम किया है। इसका उद्देश्य पशुओं में होने वाले घावों के उपचार की प्रक्रिया को आसान बनाना है। उन्होंने बताया कि अभी घाव के उपचार में अलग-अलग दवाओं और एंटीबायोटिक के इस्तेमाल की जरूरत पड़ सकती है। उनका विकसित हाइड्रोजेल इस प्रक्रिया को आसान बनाने की दिशा में तैयार किया गया है। इरम का प्रोजेक्ट इस मायने में खास रहा कि इसमें पशु स्वास्थ्य से जुड़ी एक व्यावहारिक समस्या के लिए उत्पाद आधारित समाधान प्रस्तुत किया गया। मेंटर्स के सामने उन्होंने इसके उपयोग और संभावनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

सही प्रतीभा को सही कारोबार से जोड़ेगा फाउंड इरम जेड के प्रोजेक्ट को प्रथम पुरस्कार

उत्तर प्रदेश में 20 आईपीएस अफसर के हुए तबादले

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

लखनऊ। उत्तर भारत में कई जिलों के आईपीएस अफसरों के तबादले कर दिए गए हैं।11 जिलों के पुलिस कप्तानों को बदल दिया गया है। दो अपर पुलिस महानिदेशक की जिम्मेदारियों में बदलाव किया गया है।

योगी सरकार ने अपर पुलिस महानिदेशक ए सतीश गणेश की जिम्मेदारी में कटौती कर दी है। उनसे अपर पुलिस महानिदेशक अपराध का अतिरिक्त प्रभार वापस ले लिया गया है। अब वह केवल अपर पुलिस महानिदेशक यातायात और सड़क सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालेंगे। उनसे वापस ली गई जिम्मेदारी भगवान एस श्रीवास्तव को दी गई है। भगवान के पास पहले की तरह तकनीकी सेवायें भी रहेगी। जिन पुलिस कप्तानों को बदला गया है, उनमें बस्ती, जौनपुर, मुजफ्फरनगर,

बलिया, हापुड़, मऊ, गाजीपुर, बाराबंकी, जालौन, बागपत और मथुरा के अधिकारी शामिल हैं।

बस्ती के पुलिस अधीक्षक यशवीर सिंह को अब जौनपुर का पुलिस अधीक्षक बनाया गया है।जौनपुर के पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह को पुलिस अधीक्षक पीएसई मुख्यालय भेजा गया है। श्रीमती रवीना त्यागी को पुलिस उपायुक्त (छच्छक), पुलिस कमिश्नरेट, लखनऊ से पुलिस अधीक्षक, बाराबंकी भेजा गया है।

इसी तरह संजय कुमार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुजफ्फरनगर के पद से सेनानायक, 04वीं वाहिनी पीएसई, वापस ली गई जिम्मेदारी भगवान एस श्रीवास्तव को दी गई है। भगवान के पास पहले की तरह तकनीकी सेवायें भी रहेगी। सिंह को पुलिस अधीक्षक, बलिया के पद से बस्ती का पुलिस अधीक्षक बनाया गया है।

कुँवर ज्ञानञ्जय सिंह को पुलिस

अधीक्षक हापुड़ के पद से पुलिस उपायुक्त (छच्छक), पुलिस कमिश्नरेट, प्रयागराज भेजा गया है। कमलेश बहादुर को पुलिस अधीक्षक मऊ से पुलिस अधीक्षक, लोक शिकायत, मुख्यालय छवक्क लखनऊ भेजा गया है।

ईरज राजा को पुलिस अधीक्षक, गाजीपुर से पड़ोसी जिले बलिया का पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। अर्पित विजयवर्गीय को पुलिस अधीक्षक, बाराबंकी से पुलिस उपायुक्त (छच्छक), पुलिस कमिश्नरेट, लखनऊ भेजा गया है।

सर्वेश कुमार मिश्रा को सेनानायक, 04वीं वाहिनी पीएसई, प्रयागराज से पुलिस अधीक्षक मऊ के पद पर भेजा गया है। विनय कुमार सिंह को पुलिस अधीक्षक जालौन से इसी पद पर गाजीपुर भेजा गया है।

सूरज कुमार राय को पुलिस अधीक्षक

बागपत से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुजफ्फरनगर भेजा गया है। चिराग जैन को पुलिस अधीक्षक, ग्रामीण, आजमगढ़ से पुलिस अधीक्षक नगर बरेली के पद पर भेजा गया है। मानुष पारीक को पुलिस अधीक्षक, नगर, बरेली से पुलिस अधीक्षक, नगर, आजमगढ़ भेजा गया है।

आलोक राज नारायण को सहायक पुलिस अधीक्षक, हरदोई से अपर पुलिस अधीक्षक मथुरा के पद पर भेजा गया है। पूर्णेन्द्र सिंह को पुलिस अधीक्षक/ स्ट्याफ ऑफिसर टू डीजीपी के पद से पुलिस अधीक्षक, बागपत के पद पर भेजा गया है।

मधुवन कुमार सिंह को पुलिस अधीक्षक नगर, आजमगढ़ के पद से पुलिस अधीक्षक, हापुड़ के पद पर भेजा गया है। सुरेश चन्द्र रावत को पुलिस अधीक्षक मथुरा के पद से पुलिस अधीक्षक जालौन के पद पर तैनाती दी गई है।

मोदी की 25 वर्षों की जनसेवा यात्रा राष्ट्रसेवा और सुशासन के प्रति समर्पण की प्रेरणादायी यात्रा : केशव प्रसाद मोर्य

प्रयागराज,लखनऊ एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसेवा यात्रा के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर ‘विकसित भारत संकल्प सभा’ के तहत प्रयागराज में आयोजित ‘सेवा ज्योति यात्रा’ कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मोर्य शामिल हुए। उन्होंने प्रधानमंत्री के संबोधन को वर्युअल माध्यम से सुना और बाद में उप्स्थित जनसमुदाय को संबोधित किया। उन्होंने प्रधानमंत्री की 25 वर्षों की जनसेवा यात्रा को राष्ट्रव्रित, जनकल्याण, सुशासन और सेवा के प्रति निरंतर समर्पण की प्रेरणादायी यात्रा बताया।केशव प्रसाद मोर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन में देशवासियों के दिलों में स्थान बनाया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपनी कार्यशैली, संवेदनशीलता और जनसेवा के संकल्प से करोड़ों देशवासियों का विश्वास अर्जित किया है। प्रधानमंत्री के उद्धेधन के लिए दिए गए आह्वान को सभी को अपना संकल्प बहाकर आगे बढ़ाना चाहिए।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश ने विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन देखा है। गरीबों को आवास, शौचालय, उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन, हर घर नल से जल, बिजली, बैंक खाते और विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाया गया है। गरीब, किसान, महिला, युवा और वंचित वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य लगातार किया जा रहा है।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री का 25 वर्ष का सार्वजनिक जीवन केवल राजनीतिक यात्रा नहीं, बल्कि राष्ट्रसेवा और जनसेवा का ऐसा अध्याय है, जिसने देश की

अब आशाओं के लिए आवंटित होगा आशा कक्ष आशा हेल्थ वर्कर्स एसोसिएशन की अध्यक्ष कुसुम लता यादव ने मिशन निदेशक का आभार व्यक्त किया’

लखनऊ,एजेंसी। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जे एन तिवारी ने अवगत कराया है कि चिकित्सालयों में आशाओं को विश्राम के लिए तथा उनके रुकने की व्यवस्था किए जाने के संबंध में राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के प्रयास से 2025 में शासनादेश जारी किया गया था, जिसके माध्यम से आशाओं को अस्पतालों में रुकने की कठिनाई को देखते हुए अलग से कक्ष निर्धारित करने के निर्देश दिए गए थे। जे एन तिवारी ने अवगत कराया है कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में कार्यरत आशाओं के माध्यम से सरकार द्वारा विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य सेवाएं जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। इस कार्य में आशाओं को निरंतर कई बार चिकित्सालयों तक आना पड़ता है एवं कतिपय कारणों से चिकित्सालय में रुकना भी पड़ता है। इन परिस्थितियों के दृष्टिगत आशाओं को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं समस्त जिलाध महिला संयुक्त चिकित्सालय में बैठने रुकने के लिए एक कक्ष चिन्हित करने की निशित आवश्यकता महसूस की जा रही थी। 4 मार्च 2025 के शासनादेश द्वारा आशाओं की समस्या का समाधान किया गया था। आशा हेल्थ वर्कर्स एसोसिएशन की प्रदेश अध्यक्ष कुसुम लता यादव ने राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद को अवगत कराया था कि मार्च 2025 के शासनादेश का जनपदों के चिकित्सालय में अनुपालन नहीं हो रहा है तथा आशाओं के लिए कक्ष आवंटित नहीं किया गया है। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने इस संबंध में लगातार पत्राचार कर चिकित्सालयों में आशाओं के बैठने तथा विश्राम के लिए अलग कक्ष आवंटित करने की मांग दोहराती रही है। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद एवं आशा हेल्थ वर्कर्स एसोसिएशन की प्रदेश अय्थक्ष कुसुम लता यादव के प्रयास से मिशन निदेशक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा 3 अक्टूबर 2026 के चिकित्सालय में आशाओं के रुकने, बैठने के लिए आशा कक्ष की व्यवस्था किए जाने के संबंध में विस्तृत दिशा निर्देश जारी कर दिए गए हैं। संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जे एन तिवारी ने अवगत कराया है कि निर्गत निर्देश के अंतर्गत चिकित्सा विद्यालयों ,चिकित्सा संस्थानों ,स्वास्थ्य केंद्रों एवं समस्त जिलाध महिला संयुक्त चिकित्सालयों में एक अतिरिक्त कक्ष की व्यवस्था प्शाशा कक्षष् के रूप में किए जाने, कक्ष के बाहर पठनीय अक्षरों में प्शाशा कक्षष् का लेखन कराए जाने, आशा कक्ष में नियमित विद्युत आपूर्ति, पंखा तथा पेयजल की व्यवस्था किए जाने तथा आशाओं के विश्राम के लिए आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था किए जाने के निर्देश जारी किए गए हैं। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद की महामंत्री अरुणा शुक्ला ने मिशन निदेशक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन डॉक्टर पिंकी मिश्रा के लिए पत्राचन इस आदेश का स्वागत किया है। उन्होंने कहा है कि महिला कर्मचारियों की समस्याएं पुरुष कर्मचारियों से अलग होती हैं। महिलाओं के लिए विश्राम करने तथा सुशुधित स्थान पर बैठकर मरीजों से बातचीत करने के लिए एक अलग स्थान की आवश्यकता होती है। आशा कक्ष का आवंटन महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक सराहनीय कदम है। शासन के इस कदम से आशाओं को समाज में सम्मान मिलेगा तथा उनके कार्य का महत्व भी प्रतिपादित होगा। आशा हेल्थ वर्कर्स एसोसिएशन की अध्यक्ष कुसुम लता यादव ने भी मिशन निदेशक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन डॉक्टर पिंकी जोवल का आशा कक्ष आवंटित किए जाने के संबंध में निर्गत किए गए आदेश के लिए आभार व्यक्त किया है।

एसआईआर के नाम पर मताधिकार से वंचित करने का षड्यंत्र : आराधना मिश्रा

लखनऊ एजेंसी। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष आराधना मिश्रा ‘मोना’ ने आरोप लगाया है कि भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा चुनाव के दौरान संविधान बदलने के लिए ‘400 पार’ का नारा दिया था, लेकिन संविधान रक्षक नागरिकों ने उत्तर प्रदेश में भाजपा को आधा कर उसकी सत्ता को बैसाखियों पर ला दिया। उन्होंने कहा कि इसके बाद भाजपा ने संविधान पर प्रहार का दूसरा रास्ता निकाला और एसआईआर के नाम पर करोड़ों लोगों को उनके मताधिकार से वंचित करने का षड्यंत्र रचा गया।आराधना मिश्रा ने कहा कि सामाजिक न्याय के पुरोधा और संविधान रक्षक राहुल गांधी पिछले एक वर्ष से अधिक समय से इस प्रक्रिया के खिलाफ लगातार आवाज उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आज चार ऐसे प्रमाण देश और प्रदेश के सामने रख रही है, जो चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सूची को लेकर गंभीर सवाल खड़े करते हैं।उन्होंने कहा कि इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के अनुसार चुनाव आयोग के दोनों आयुक्तों संधू और जोशी ने कहा कि कानून का उल्लंघन कर फॉर्म-6 में बदलाव किया गया और उन्हें जानकारी से बाहर रखकर फैसले लिए जा रहे थे। उनका सवाल है कि यदि चुनाव जैसी संवेदनशील संवैधानिक प्रक्रिया में आयोग के आयुक्तों को ही जानकारी से बाहर रखा गया तो जनता चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल क्यों न उठाए।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने स्पष्ट किया था कि उन्हेनो फॉर्म-6 में बदलाव की कोई अनुमति नहीं दी थी। ऐसे में सवाल उठता है कि फॉर्म-6 में बदलाव किसके आदेश पर और किस अधिकार के तहत किया गया।उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस भुइय़ां ने अंग्रेजी शासन के दौर का उदाहरण देते हुए कहा था, ऐसे समय केवल प्रभावशाली लोगों को ही मतदान का अधिकार था और आबादी के करीब 14 प्रतिशत लोग ही मतदान कर पाते थे। उन्होंने कहा कि यह टिप्पणी लोकतंत्र में सार्वभौमिक मताधिकार के महत्व और मतदाता सूची से लोगों को उनके अधिकार जाने की गंभीरता को

रेखांकित करती है।आराधना मिश्रा ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस रोहितन नरीमन ने पश्चिम बंगाल में करीब 90 लाख वोट काटे जाने का उल्लेख करते हुए सवाल उठाया था कि इतनी बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाए जाने के बावजूद अदालत को एसआईआर की प्रक्रिया पर रोक लगाने की आवश्यकता क्यों महसूस नहीं हुई।उन्होंने कहा कि इन घटनाक्रमों के बीच संवैधानिक संस्था और सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ न्यायाधीशों की टिप्पणियां चुनाव आयोग और उसके प्रमुख ज्ञानेश कुमार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं तथा राहुल गांधी द्वारा उठाए जा रहे सवालों को मजबूती प्रदान करती हैं।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि जिस उत्तर प्रदेश ने भाजपा को सबक सिखाया, उसी उत्तर प्रदेश के मतदाताओं के नाम सबसे ज्यादा हटाए गए। उन्होंने मुख्यमंत्री और वाराणसी के सांसद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल किया कि जब मतदाता सूची से सबसे ज्यादा नाम उत्तर प्रदेश में हटाए गए तो उन्होंने आपत्ति लेने के बजाय मतदाताओं से छिने गए अधिकारों को सही ठहराने का काम क्यों किया।उन्होंने कहा कि कांग्रेस भाजपा और चुनाव आयोग से तीन प्रमुख सवाल पूछना चाहती है। पहला सवाल यह है कि अतिरिक्त 16 लाख 18 हजार वोट किस प्रक्रिया से आए। उनके मुताबिक उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर उपलब्ध फॉर्म-6 आवेदनों में करीब 71 लाख 38 हजार आवेदन दिखाई देते हैं, जबकि अंतिम मतदाता सूची में 84 लाख 28 हजार नाम जोड़े गए हैं। दोनों आंकड़ों में करीब 16 लाख 18 हजार का अंतर है। कांग्रेस ने सवाल किया कि ये अतिरिक्त नाम किस प्रक्रिया के तहत जोड़े गए और इन मतदाताओं के फॉर्म-6 आवेदन तथा संबंधित विवरण सार्वजनिक रूप से कहा उपलब्ध हैं।दूसरा सवाल उठते हुए आराधना मिश्रा ने कहा कि उत्तर प्रदेश की 2026 की त्रिस्तरीय पंचायत मतदाता सूची में 12 करोड़ 58 लाख और 2023 की नगरीय निकाय मतदाता सूची में 4 करोड़ 33 लाख मतदाता थे।

सोने की ईंट बताकर सर्राफ से टक्की करने वाला सातिर टप्पेबाज गिरफ्तार

18.50 लाख रुपये और 217.48 ग्राम आभूषण बरामद

लखनऊ एजेंसी। चौक थाना पुलिस ने सोने की परत चढ़ी ब्रॉन्ज और अन्य धातु की ईंटों को असली सोना बताकर सर्राफ से लाखों रुपये की नकदी और सोने के आभूषण ठगने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से 18 लाख 50 हजार रुपये नकद और 217.48 ग्राम पीली धातु के आभूषण बरामद किए हैं। पुलिस के मुताबिक मामले में तीन अन्य आरोपी वांछित हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।पुलिस के अनुसार 10 सितंबर 2026 को आभूषण व्यवसायी संजीव कुमार रस्तोगी निवासी पीर बुखारा, ठाकुरगंज ने चौक थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि आरोपियों ने धोखाधड़ीपूर्वक सोने की परत चढ़ी ब्रॉन्ज और अन्य धातु की चार ईंटों को असली सोना बताकर उनसे 2861 ग्राम सोने के आभूषण और 20 लाख रुपये से अधिक की नकदी प्राप्त कर ली। तहरीर के आधार पर चौक थाने में मुकदमा संख्या 204/2026, धारा 318(4) बीएनएस के तहत अजय चौधरी निवासी रोहतक और उसके अज्ञात साथियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।विवेचना और आरोपियों की तलाश के दौरान मामले में प्रकाश में आए अनवर पुत्र अब्दुल अजीज, निवासी खजुरी कोठी, मीनाक्षी रोड, किला काना, गढ़ोेट, थाना कोतवाली नगर, हापुड़, उम्र करीब 48 वर्ष को पुलिस ने 6 अक्टूबर 2026 को शाम करीब 7:50 बजे जेनेश्वर मिश्र पार्क के पास, गोमती नगर विस्तार से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।पुलिस के मुताबिक पुछताछ और अब तक जुटाए गए साक्ष्यों से सामने आया है कि आरोपियों द्वारा घटना की तैयारी करीब डेढ़ वर्ष पहले से की जा रही थी और लखनऊ के कई सर्राफा व्यवसायी उनके निशाने पर थे। आरोपियों ने योजनाबद्ध तरीके से सर्राफ संजीव कुमार रस्तोगी के साथ ठगी की घटना को अंजाम दिया।पुलिस के अनुसार आरोपी अपनी पहचान छिपाने और निगरानी से बचने के लिए सावधानी बरतते थे। संबंधित व्यापारी से बातचीत के लिए एक ही मोबाइल फोन और सिम कार्ड का इस्तेमाल किया जाता था तथा लखनऊ पहुंचने के बाद ही मोबाइल को सक्रिय किया जाता था। आरोपी अपने निजी मोबाइल फोन और पहचान संबंधी दस्तावेज साथ नहीं रखते थे। सीसीटीवी कैमरों की निगरानी से बचने के लिए सार्वजनिक परिवहन और बसों का अधिक इस्तेमाल किया जाता था। साक्ष्यों और बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा 317(2) और 61(2) बीएनएस की बढोतरी की गई है।गिरफ्तार आरोपी के पास से 500 रुपये के नोटों की 37 गड्डियों में कुल 18 लाख 50 हजार रुपये नकद बरामद हुए। इसके अलावा 217.48 ग्राम पीली धातु के आभूषण बरामद किए गए, जिनमें 24 कंगन का कुल वजन 92.480 ग्राम, पांच हार का कुल वजन 95.62 ग्राम और एक ब्रेसलेट का वजन 29.6 ग्राम है। मामले में प्रकाश में आए आशू, मुसाहिद और सरफराज वांछित हैं।

बालपुर पशु चिकित्सालय परिसर में अधेड़ का शव मिलने से हड़कंप

गोंडा एजेंसी।करनेलगंज कोतवाली क्षेत्र के बालपुर में बुधवार सुबह पशु चिकित्सालय परिसर में करीब 50 वर्षीय अज्ञात अधेड़ का शव मिलने से सनसनी फैल गई। शव बालपुर चौकी क्षेत्र स्थित पशु चिकित्सालय परिसर के अंदर पड़ा मिला था।जानकारी के अनुसार बुधवार सुबह करीब 11 बजे स्थानीय लोगों ने परिसर में शव पड़ा देखा। जिसके बाद भीड़ जुट गई और बालपुर चौकी पुलिस को सूचना दी गई।

उत्तर रेलवे

ई-ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित स्टेशन हेतु ई-ऑक्शन आमंत्रित किया जाता है।

Admin Unit/Zone	Lucknow-NR-Division-Commercial/Northern Railway
Auction Catalogue No./Lot No	WVM-BSSB-2026
Description of Work	Installation and operation of Water Vending Machine (WVM) at Varanasi Station of Lucknow Division, Northern Railway for the period of 05 years
Catalogue Published on	29.09.2026
Auction Start (All Lots)	14.10.2026 at 11:00 Hrs
Auction Close Date/Time	14.10.2026 at 11:30 Hrs
Website particulars where complete details of auction can be seen by registered bidders	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

नीताभी के लिए रखी जाने वाली डब्ल्यूटीपीक का विवरण निम्नलिखित है:-

Details of WVM			
S. No	Lot Number	Station	Close Date & Time
1	MSS-LKO-BSSB-WVM-198-26-1	BSSB	Date-14.10.2026 11:30
याहकों की सेवा में मुरकान के साथ			3473/2026



ज्ञानेश तो फंस गए हैं लेकिन भाजपा?

भाजपा और केंद्र सरकार अगर अभी तक ज्ञानेश कुमार के पीछे खड़ी है तो यह उनके फरदे का सौदा रहा होगा। लेकिन इतना तय मानिए कि अगर ज्ञानेश कुमार फंसेते हैं तो यह मेल बहुत दूर तक नहीं जाएगा। केन्द्रीय सत्ता इतनी आसानी से ऐसे मसलों से घिर जाए यह होता नहीं है। वह ज्ञानेश या किसी भी ऐसे अति महत्वाकांक्षी और कॉरिप्टर के छोटे लानों के लिए कायदे कानून को दरकिनार करने वालों से किनारा करने में देर नहीं लगाएगी। अपनी निर्णय प्रक्रिया में गंभीर श्रुति संबन्धी इंडिग्न एक्सप्रेस की रिपोर्ट आने के बाद से चुनाव आयोग मने आम लोगों को और संबंधित पक्षों के सामने अपनी बात रखने से बचना चाहता था लेकिन सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद सरकार और आयोग के सभी संबंधित लोगों को अदालत के सामने सारे सवाल का जवाब देना पड़ेगा। और फिर इस सफाई का कोई मतलब नहीं है कि अदालत ने याचिकाकर्ता के वकील के इस तर्क को नहीं माना कि मुख्य चुनाव आयुक्त को तत्काल निलंबित किया जाए और उनको काम करने से रोका जाए। अदालत यह फैसला नहीं कर सकती और बिना संबंधित पक्ष को सुने ऐसे फैसला न्यायोचित होता भी नहीं। लेकिन अदालत ने जिस तरह हर बात सफाई पूरी है और फर्म 6 के विवाद में खुद को घसीट जाने से अपना पाला इटका है वह इस बात का संकेत है कि ज्ञानेन्द्र कुमार मुश्किल में हैं। अगर 14 फरवरी पर येच दो चुनाव आयुक्तों की आपत्तियों को उन्होंने दरकिनारा किया था तो यह गंभीर दोष है और सरकार द्वारा चुनाव कानून में बदलाव करने की जगह खुद से फर्म 6 में बदलाव कर लिए तो यह अपराध की श्रेणी में ही जाएगा। अगर वे आपत्तियों के बाद भी शेष दोनों आयुक्तों द्वारा सभी फैसलों पर दस्तखत करने का प्रमाण ला देते हैं, जैसा कि भाजपा की तरफसे कस जा रहा है, तो फिर अदालत उनके पक्ष में फैसला देगी। सवाल भाजपा के जवाब देने पर भी उठे हैं और मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण पर भाजपा और एनडीए के लोग ही लगातार जवाब देते रहे हैं। उस हिसाब से इंडिया गवर्नंथन द्वारा चुनाव आयोग की घेरेबंदी और 2रा म्ह में विशेष प्रदर्शन का आयोजन करना महत्वपूर्ण है। कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी लगातार इस सवाल को उठाते रहे है लेकिन उनका व्यवहार भूदे के अनुरूप पर्याप्त गंभीर नहीं दिखता। सारी गड़बड़ बोलकर भी चुनाव में भागीदारी करना और जीतने पर सरकार बनाने से लेकर सुश्रियां मजाना और हारने पर ईडीएम और आयोग पर दोष मढ़ना गंभीरता को खत्म करता है। लेकिन अदालती लड़ाई और राजनैतिक सवाल का फर्म 6हको भी समझना होगा। अदालत तय्यो और तर्कों के आधार पर फैसला करती है, राजनीति में हवा बनने बनाने की भी बड़ी भूमिका है और चुनाव आयोग की घेरेबंदी से लेकर सफाई पर उत्तरना उसका हिस्सा है। जब भाजपा खुदकर आयोग का साथ दे रही है तो ज्ञानेश कुमार के फैसलों के साथ केंद्र सरकार और भाजपा को जोड़ना बहुत मुश्किल नहीं है। लेकिन अभी तक राहुल ने सड़क की कोई बड़ी लड़ाई नहीं लड़ी है। मतदाता सूची के पुनरीक्षण को एक सामान्य प्रशासनिक अभियान की जगह घुसपैठिया-विरोधी मुहिम, अल्पसंख्यक-विरोधी मुहिम और कमजोर तथा कम पढ़े-लिखे या दस्तावेजों को संभालने और प्रस्तुत करने के मामले में कमजोर या लापर लोगों के खिलाफ अभियान बना देना चुनाव आयोग पर का काम न था। यह भाजपा का एजेंडा था और जो अभियान भारतीय मतदाता सूची को दुश्स्थ करने पर केन्द्रित होना चाहिए था वह जाने कब विदेशी नागरिक ढूँढने वाला बना दिया गया। फर्म 6में बदलाव भी वोटर के मां-बाप की तलाश और उनसे जुड़े दस्तावेज तक इसी के चलते पहुंचा। और नतीजा क्या निकाला? बांग्लादेशी या रोहिंगिया घुसपैठियों के पकड़े जाने का शावद ही कोई मामला सामने आया लेकिन मतदाता सूची से तेरह करोड़ नाम काट दिए गए। यह सब तब हुआ जब बिहार के बाद हर राज्य में राजनैतिक दलों द्वारा नए मतदाता सूची में नाम जोड़वाने और कटवाने का अभियान स चलाया। मृत लोगों या पता बदलने वालों और दो जगह नाम वालों का नाम हटाना जरूरी था लेकिन उसके लिए कई राज्यों में तीस फ़ैसदी से भी ज्यादा नाम काट ना सिर्फबीएलओ जैसे कर्मचारियों के वश का नहीं है। यह निर्दयी आयोग और संभव है कि भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की तरफसे गया हो। इसी संभावना को पुष्टता राजनैतिक विमर्श बनाने की कोशिश कांग्रेस और विपक्ष कर रहे हैं। अब यह उल्टे लुपशार्थ पर निर्भर करता है कि वे इस काम को कहां तक पहुंचाते हैं। भाजपा और केंद्र सरकार अगर अभी तक ज्ञानेश कुमार के पीछे खड़ी है तो यह उनके फरदे का सौदा रहा होगा। लेकिन इतना तय मानिए कि अगर ज्ञानेश कुमार फंसेते हैं तो यह मेल बहुत दूर तक नहीं जाएगा। केन्द्रीय सत्ता इतनी आसानी से ऐसे मसलों से घिर जाए यह होता नहीं है। वह ज्ञानेश या किसी भी ऐसे अति महत्वाकांक्षी और कॉरिप्टर के छोटे लानों के लिए कायदे कानून को दरकिनार करने वालों से किनारा करने में देर नहीं लगाएगी। लेकिन इसके लिए जरूरी होगा कि कांग्रेस और विपक्ष का सड़क का आन्दोलन इतना दबाव बनाने में सफ़ल हो जिसे भाजपा का नेतृत्व अपने लिए नुकसानदेह मानने लगे। यह दूर की बात लगती है लेकिन अदालती फैसला इस स्थिति को जल्दी भी लाने में मदद करेगा। अगली सुनवाई की तारीख ज्यादा दूर नहीं है और वहां आया जवाब काफी सारे संकेत देने लगेगा। विपक्ष इस बात पर भी खुश हो सकता है कि कॉकरोच जनता पार्टी ने भी इस भूदे पर सीधे ज्ञानेन्द्र कुमार की दिवाई को मुद्दा बनाया है। उसका अभियान 10 अक्टूबर से चलाना। इसके पहले उसने दो अक्टूबर को जो कार्यक्रम किया उसने सुनाई का कार्यक्रम काफी सफ़ल रहा जबकि दिल्ली में पुलिस ने आंदोलनकारियों को लगातार खदेड़ा। इसने सिर्फकॉकरोच जनता पार्टी के लोग ही नहीं वाम छात्र संगठन और योगेन्द्र यादव, प्रशांत भूषण जैसे लोग भी थे। उसे और इस मांग को जिस तरह सुप्रीम कोर्ट के सीटीएम जज समेत काफी सारे प्रभु उद्योग और नामी लोगों का समर्थन मिल रहा है और भी विपक्ष अपने आंदोलन का सहारा बना सकता है। पिछली बार कॉकरोच जनता पार्टी ने ही मोदी सरकार की और उनकी मजबूत छवि को तार-तार कर दिया था और धर्मदेव प्रधान को जाना पड़ा। लेकिन इसके लिए विपक्ष को बहुत सावधानी और समझ से काम करना होगा। उससे ज्यादा मुश्किल काम भाजपा के लिए है। अभी तक तो वह ज्ञानेन्द्र कुमार के ह्द काम का समर्थन कर दिया करती थी और सुप्रीम कोर्ट तक ने बंगाल चुनाव के समय लाखों मतदाताओं को निराश करते हुए अगले चुनाव में वोट डालने का मजाक कर दिया। इस बार ऐसा लगता नहीं।

प्रदीप कपूर

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (यूपीसीए) की अध्यक्ष के तौर पर आराधना मिश्र की नियुक्ति कांग्रेस की राजनीतिक पुरस्कृतन की एक महत्वपूर्ण कोशिश है। इसके जरिए पार्टी अपने जातिगत गठबंधन आधार को फिर से बनाना चाहती है, समाजवादी पार्टी (सपा) के साथ बातचीत में अपनी स्थिति मजबूत करना चाहती है और 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए एक ज्यादा भरोसेमंद संगठन तैयार करना चाहती है।चूँकि आराधना के रहलु गांधी और उनकी बहन प्रियंका गांधी के साथ बहुत अच्छे संबंध हैं, इसलिए यूपीसीसी अध्यक्ष के तौर पर उनके कार्यकाल में उन्हें पार्टी आलाकमान का पूरा समर्थन मिलेगा। जब प्रियंका गांधी उत्तर प्रदेश के लिए एआईसीसी की प्रभारी थीं, तब आराधना मिश्र उनकी लगातार साथी रही और राज्य के अलग-अलग हिस्सों में उनके व्यापक दौरों के दौरान उन्हें अनुभव मिला। इमरान मसूद को कार्यकारी अध्यक्ष बनाना और दूसरे समुदाय के नेताओं को आगे बढ़ाना इस रणनीति को और मजबूत करता है। आराधना

मिश्र ब्राह्मण चेहरा हैं, जिन्हें विधायी कामकाज का अनुभव है। वह प्रतापगढ़ की रामपुर खास सीट से तीन बार विधायक रही हैं और वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी की बेटी हैं। वह ऐसे समय में एक प्रमुख ब्राह्मण चेहरा हैं जब कांग्रेस उन सर्वभ्र मतदाताओं के बीच अपना समर्थन फिर से हासिल करने की कोशिश कर रही है जो काफी हद तक भाजपा की ओर चले गए हैं। राज्य भर में कांग्रेस के खराब प्रदर्शन के बावजूद अपनी सीट जीतने का उनका रिकॉर्ड उन्हें सिर्फ संगठनात्मक काम के लिए जाने जाने वाले नेता की तुलना में ज्यादा भरोसेमंद बनाता है। कांग्रेस यह दिखाना चाहती है कि ब्राह्मण मतदाताओं के पास भाजपा के अलावा और भी राजनीतिक विकल्प हैं। हालांकि, ब्राह्मण नेता को नियुक्त करने से वे मतदाता अपने-आप वापस नहीं आएंगे। पार्टी को स्थानीय उम्मीदवार, एक भरोसेमंद राजनीतिक कार्यक्रम और जमीनी स्तर पर लगातार काम करने की जरूरत होगी। इसमें महिलाओं का भी एक पहलू है। महिला को प्रदेश अध्यक्ष बनाने से कांग्रेस को महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व पर अपना दावा फिर से

मजबूत करने का मौका मिलेगा, खासकर 2022 में उसके खेड़की हूं, लड़ सकती हूं श्र अभियान के बाद। आराधना मिश्र को यूपीसीसी अध्यक्ष बनाने के बाद कांग्रेस नेतृत्व ब्राह्मण, मुस्लिम, ओबीसी और दलित प्रतिनिधित्व का एक व्यापक संयोजन बनाना चाहता है। एक मजबूत बातचीत करने वाली टीम बनाना उसका उद्देश्य है। आराधना मिश्र संगठन में तालमेल और सपा के साथ रिश्तों पर ध्यान दे सकती हैं, जबकि मसूद पश्चिमी उत्तर प्रदेश से एक अहम भाषिका के तौर पर सामने आएंगे। कांग्रेस सिर्फ भाषाएं-विरोधी वोटों पर निर्भर रहने के बजाय इंडिया गठबंधन में खुद को एक स्वतंत्र राजनीतिक ताकत के तौर पर पेश कर सकती है। नेतृत्व में बदलाव तभी असरदार होगा जब उसके साथ मजबूत जिला इकाइयां, ब्यू-स्तर पर सक्रिय कार्यकर्ता और भरोसेमंद उम्मीदवार भी हों। कोशिश ब्राह्मण वोटर्स से दोबारा जुड़ने, किसी महिला नेता को ज्यादा अहमियत देने और पूर्वी उत्तर प्रदेश में पार्टी की स्थिति बेहतर करने की है। इमरान मसूद को कार्यकारी अध्यक्ष बनाने की बात करें तो पश्चिमी उत्तर प्रदेश में उनका राजनीतिक आधार

काग्रेस को एक अहम मुस्लिम नेता देता है। उनकी नियुक्ति यह भी संकेत देती है कि कांग्रेस सपा के साथ बातचीत में मजबूत रुख अपनाएगी। इसी तरह, देवेंद्र निषाद को वरिष्ठ उपाध्यक्ष बनाना निषाद और नदी किनारे रहने वाले अन्य पिछड़े समुदायों तक पहुंचने की कोशिश है, जो उत्तर प्रदेश की कई सीटों पर चुनावी तौर पर अहम हैं। एक और वरिष्ठ उपाध्यक्ष आलोक प्रसाद प्रभावशाली पासी दलित समुदाय से आते हैं। वह पासी वोटर्स पर ध्यान देंगे जो अभी भी बसपा के साथ हैं। यहां यह बताना जरूरी है कि आराधना के पिता प्रमोद तिवारी, जो अनेक कांग्रेस से राज्यसभा सदस्य हैं, ने अपनी रामपुर खास विधानसभा सीट से नौ बार जीतकर रिकॉर्ड बनाया था। प्रमोद तिवारी के मूलानुम सिंह यादव और उनके बेटे अखिलेश यादव के साथ बहुत अच्छे संबंध हैं। इसी समझ की वजह से समाजवादी पार्टी ने प्रमोद तिवारी के खिलाफ कोई उम्मीदवार नहीं उतारा। अगर समाजवादी पार्टी ने प्रमोद तिवारी के खिलाफ कोई उम्मीदवार उतारा भी, तो वह डमीया कमजोर उम्मीदवार होता था। इसीलिए प्रमोद तिवारी के लिए विधानसभा चुनाव जीतना हमेशा बहुत

आसान होता था। इसमें कोई शक नहीं कि आराधना मिश्र के यूपीसीसी अध्यक्ष रहने से पार्टी के लिए समाजवादी पार्टी के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत करना आसान होगा। जब से आराधना मिश्र ने यूपीसीसी की कमान संभाली है, तब से ऐसी खबरें आ रही हैं कि जाने-माने ब्राह्मण नेता कांग्रेस में वापस आ रहे हैं। पवित्र शहर मथुरा से पूर्व मंत्री और जाने-माने ब्राह्मण नेता श्यामसुंदर शर्मा पार्टी में वापस आ गए हैं। ठकुर मुख्तमंजी योगी आदित्यनाथ और उनकी सरकार के काम करने के तरीके को लेकर प्रभावशाली ब्राह्मण समुदाय में काफी नाराजगी है। ब्राह्मण नेताओं और विधायकों ने कई बैठकें की हैं और सरकार पर ब्राह्मण समुदाय के प्रति उदासीनता बरतने का आरोप लगाया है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी आरोप लगाया है कि ठकुर मुख्तमंजी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ब्राह्मणों को निशाना बना रही है और उन्हें परेशान कर रही है। पुलिस मुठभेड़ में मारे गए ब्राह्मणों को लेकर लाट्यूए गए आरोप राज्य में राजनीतिक बहस का हिस्सा बन गए हैं। कांग्रेस तेजी से आगे बढ़ रही है, जो स्वामी प्रसाद मौर्य के साथ हाल

ही में हुए गठबंधन से साफ है, जिसमें दोनों पार्टियां 10 विधानसभा सीटों पर सहमत हुई हैं। स्वामी प्रसाद मौर्य ने राहुल गांधी से मुलाकात की और घोषणा की कि उनकी अपना जनता पार्टी इंडिया गठबंधन में शामिल होगी और 2027 में होने वाले विधानसभा चुनावों में एनडीए के खिलाफ लड़ेंगी। स्वामी प्रसाद मौर्य, जो पहले बसपा के साथ थे, इंडिया गठबंधन के लिए गैर-यादव पिछड़ी जातियों और गैर-जादव दलितों को एकजुट करने में मदद करेंगे। यूपीसीसी अध्यक्ष के तौर पर आराधना मिश्र की 2027 के अहम विधानसभा चुनावों में स्वामी प्रसाद मौर्य और उनकी पार्टी के साथ सीट बंटवारे में बड़ी भूमिका होगी। चूँकि आराधना मिश्र ने अजय राय की जगह ली है (जो 2023 से यूपीसीसी अध्यक्ष थे और वाराणसी में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के मुख्य प्रतिद्वंद्वी थे), इसलिए उन्हें सीट बंटवारे को लेकर समाजवादी पार्टी के साथ बातचीत में खुद को बेहतर संभित करना होगा। साथ ही, विधानसभा चुनावों में पार्टी का प्रदर्शन बेहतर करने के लिए उन्हें संगठन को मजबूत करना होगा और पार्टी का सामाजिक आधार बढ़ाना होगा।

नई प्रदेश अध्यक्ष से उत्तर प्रदेश कांग्रेस को बड़ी उम्मीदें

प्रदीप कपूर

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (यूपीसीए) की अध्यक्ष के तौर पर आराधना मिश्र की नियुक्ति कांग्रेस की राजनीतिक पुरस्कृतन की एक महत्वपूर्ण कोशिश है। इसके जरिए पार्टी अपने जातिगत गठबंधन आधार को फिर से बनाना चाहती है, समाजवादी पार्टी (सपा) के साथ बातचीत में अपनी स्थिति मजबूत करना चाहती है और 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए एक ज्यादा भरोसेमंद संगठन तैयार करना चाहती है।चूँकि आराधना के रहलु गांधी और उनकी बहन प्रियंका गांधी के साथ बहुत अच्छे संबंध हैं, इसलिए यूपीसीसी अध्यक्ष के तौर पर उनके कार्यकाल में उन्हें पार्टी आलाकमान का पूरा समर्थन मिलेगा। जब प्रियंका गांधी उत्तर प्रदेश के लिए एआईसीसी की प्रभारी थीं, तब आराधना मिश्र उनकी लगातार साथी रही और राज्य के अलग-अलग हिस्सों में उनके व्यापक दौरों के दौरान उन्हें अनुभव मिला। इमरान मसूद को कार्यकारी अध्यक्ष बनाना और दूसरे समुदाय के नेताओं को आगे बढ़ाना इस रणनीति को और मजबूत करता है। आराधना

मिश्र ब्राह्मण चेहरा हैं, जिन्हें विधायी कामकाज का अनुभव है। वह प्रतापगढ़ की रामपुर खास सीट से तीन बार विधायक रही हैं और वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी की बेटी हैं। वह ऐसे समय में एक प्रमुख ब्राह्मण चेहरा हैं जब कांग्रेस उन सर्वभ्र मतदाताओं के बीच अपना समर्थन फिर से हासिल करने की कोशिश कर रही है जो काफी हद तक भाजपा की ओर चले गए हैं। राज्य भर में कांग्रेस के खराब प्रदर्शन के बावजूद अपनी सीट जीतने का उनका रिकॉर्ड उन्हें सिर्फ संगठनात्मक काम के लिए जाने जाने वाले नेता की तुलना में ज्यादा भरोसेमंद बनाता है। कांग्रेस यह दिखाना चाहती है कि ब्राह्मण मतदाताओं के पास भाजपा के अलावा और भी राजनीतिक विकल्प हैं। हालांकि, ब्राह्मण नेता को नियुक्त करने से वे मतदाता अपने-आप वापस नहीं आएंगे। पार्टी को स्थानीय उम्मीदवार, एक भरोसेमंद राजनीतिक कार्यक्रम और जमीनी स्तर पर लगातार काम करने की जरूरत होगी। इसमें महिलाओं का भी एक पहलू है। महिला को प्रदेश अध्यक्ष बनाने से कांग्रेस को महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व पर अपना दावा फिर से

काग्रेस को एक अहम मुस्लिम नेता देता है। उनकी नियुक्ति यह भी संकेत देती है कि कांग्रेस सपा के साथ बातचीत में मजबूत रुख अपनाएगी। इसी तरह, देवेंद्र निषाद को वरिष्ठ उपाध्यक्ष बनाना निषाद और नदी किनारे रहने वाले अन्य पिछड़े समुदायों तक पहुंचने की कोशिश है, जो उत्तर प्रदेश की कई सीटों पर चुनावी तौर पर अहम हैं। एक और वरिष्ठ उपाध्यक्ष आलोक प्रसाद प्रभावशाली पासी दलित समुदाय से आते हैं। वह पासी वोटर्स पर ध्यान देंगे जो अभी भी बसपा के साथ हैं। यहां यह बताना जरूरी है कि आराधना के पिता प्रमोद तिवारी, जो अनेक कांग्रेस से राज्यसभा सदस्य हैं, ने अपनी रामपुर खास विधानसभा सीट से नौ बार जीतकर रिकॉर्ड बनाया था। प्रमोद तिवारी के मूलानुम सिंह यादव और उनके बेटे अखिलेश यादव के साथ बहुत अच्छे संबंध हैं। इसी समझ की वजह से समाजवादी पार्टी ने प्रमोद तिवारी के खिलाफ कोई उम्मीदवार नहीं उतारा। अगर समाजवादी पार्टी ने प्रमोद तिवारी के खिलाफ कोई उम्मीदवार उतारा भी, तो वह डमीया कमजोर उम्मीदवार होता था। इसीलिए प्रमोद तिवारी के लिए विधानसभा चुनाव जीतना हमेशा बहुत

आसान होता था। इसमें कोई शक नहीं कि आराधना मिश्र के यूपीसीसी अध्यक्ष रहने से पार्टी के लिए समाजवादी पार्टी के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत करना आसान होगा। जब से आराधना मिश्र ने यूपीसीसी की कमान संभाली है, तब से ऐसी खबरें आ रही हैं कि जाने-माने ब्राह्मण नेता कांग्रेस में वापस आ रहे हैं। पवित्र शहर मथुरा से पूर्व मंत्री और जाने-माने ब्राह्मण नेता श्यामसुंदर शर्मा पार्टी में वापस आ गए हैं। ठकुर मुख्तमंजी योगी आदित्यनाथ और उनकी सरकार के काम करने के तरीके को लेकर प्रभावशाली ब्राह्मण समुदाय में काफी नाराजगी है। ब्राह्मण नेताओं और विधायकों ने कई बैठकें की हैं और सरकार पर ब्राह्मण समुदाय के प्रति उदासीनता बरतने का आरोप लगाया है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी आरोप लगाया है कि ठकुर मुख्तमंजी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ब्राह्मणों को निशाना बना रही है और उन्हें परेशान कर रही है। पुलिस मुठभेड़ में मारे गए ब्राह्मणों को लेकर लाट्यूए गए आरोप राज्य में राजनीतिक बहस का हिस्सा बन गए हैं। कांग्रेस तेजी से आगे बढ़ रही है, जो स्वामी प्रसाद मौर्य के साथ हाल

ही में हुए गठबंधन से साफ है, जिसमें दोनों पार्टियां 10 विधानसभा सीटों पर सहमत हुई हैं। स्वामी प्रसाद मौर्य ने राहुल गांधी से मुलाकात की और घोषणा की कि उनकी अपना जनता पार्टी इंडिया गठबंधन में शामिल होगी और 2027 में होने वाले विधानसभा चुनावों में एनडीए के खिलाफ लड़ेंगी। स्वामी प्रसाद मौर्य, जो पहले बसपा के साथ थे, इंडिया गठबंधन के लिए गैर-यादव पिछड़ी जातियों और गैर-जादव दलितों को एकजुट करने में मदद करेंगे। यूपीसीसी अध्यक्ष के तौर पर आराधना मिश्र की 2027 के अहम विधानसभा चुनावों में स्वामी प्रसाद मौर्य और उनकी पार्टी के साथ सीट बंटवारे में बड़ी भूमिका होगी। चूँकि आराधना मिश्र ने अजय राय की जगह ली है (जो 2023 से यूपीसीसी अध्यक्ष थे और वाराणसी में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के मुख्य प्रतिद्वंद्वी थे), इसलिए उन्हें सीट बंटवारे को लेकर समाजवादी पार्टी के साथ बातचीत में खुद को बेहतर संभित करना होगा। साथ ही, विधानसभा चुनावों में पार्टी का प्रदर्शन बेहतर करने के लिए उन्हें संगठन को मजबूत करना होगा और पार्टी का सामाजिक आधार बढ़ाना होगा।



मेघः- नकारात्मक चिन्ताओं को त्याग कर अपनी क्षमताओं पर भरोसा करें। नौकरी-पेशे में अधिकारियों व सहकर्मियों के सहयोग से वातावरण सुखद होगा। राजनैतिक क्षेत्र के व्यक्तियों का सहयोग प्राप्त होगा।
बृषभः- शासन-सत्ता के लोगों के साथ निकटता बढ़ेगी। नियोजित परिश्रम द्वारा कार्य सिद्धी के आसार बनेंगे। पुराने संबंधों से लाभ संभव। परिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा।
मिथुनः- कठिन एवं विषम परिस्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति के ओर अग्रसर होंगे। समाजिक सक्रीयता से मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घरेलू दायित्वों के प्रति आपकी महत्ता बढ़ेगी।
कर्कः- कुछ भौतिक आकांक्षाएं अपनी सार्थकता हेतु मन को उर्ध्वलित करेंगी। निकटस्थ सम्बन्धों में भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती है। तामसी व गैर कायरे पर आकर्षित मन पर अंकुश लगावें।
सिंहः- कुछ नई हम्हयुक्त बलवती होंगी। प्रयासरत क्षेत्रों में संघर्ष संभव परन्तु निराशावादी बिचारों को मन में स्थान न दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित व्यवस्था के लिए मन प्रयत्नशील होगा।
कन्याः- नई सम्पत्तियों से खुद की क्षमताओं का एहसास होगा। जीविका क्षेत्र में अवरोधों से मन में निराशा संभव भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में व्यय की अपेक्षित है। सन्तति एवं सन्तानोत्पत्ति के लिए प्रयास सार्थक होंगे।
तुलाः- किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लाएगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। दुबिधाओं को त्याग कर सही व स्वच्छ योजनाओं पर केन्द्रित हों।
वृश्चिकः- कुछ महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ मन पर प्रभावी होंगी। घरेलू कायरे में व्यस्तता बढ़ेगी। परिजनों के सहयोग से मन उत्साहित होगा। हंसमुख स्वभाव से आस-पास वातावरण में प्रसन्नता बिखरेगी।
धनुः- सम्बन्धों में व्यवहारकुशल बनें। समाजिक व मांगलिक कार्यक्रमों में आपकी भागीदारी संभव। कुछ महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता आप में नए उत्साह का संचार करेगा।
मकरः- बिद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी। कुछ महत्वाकांक्षी योजनाएं सार्थक होगी। नवीन आशाएं नवीन उत्साह लाएंगी। कार्य क्षेत्र में सम्बन्धों का भरपूर लाभ मिलेगा।
कुंभः- अन्तमरुछी स्वभाव को त्याग बहिरमुखी बनें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति के आसार हैं। परिजनों के सुख-दुख के प्रति मन चिन्तित होगा। कार्य क्षेत्र में व्यस्तता बढ़ेगी।
मीनः- पुरानी समस्याओं पर बिजय प्राप्त कर सुखद अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से कोई अवरोधित कार्य हाल होने के आसार बनेंगे।समुचित परिश्रम करने में असमर्थ मन परेशान होगा।

मस्तिष्क के रहस्यों की नई खोज से मानवता के उजाले

यदि वैज्ञानिक किसी विशेष कोशिका समूह को सक्रिय या निष्क्रिय करके व्यवहार में परिवर्तन ला सकते हैं, तो यह प्रश्न भी उठता है कि मस्तिष्क की गतिविधियों को नियंत्रित करने की हमारी क्षमता की सीमाएं क्या होनी चाहिए। रोगों के उपचार और मानवीय पीड़ा को कम करने के लिए ऐसी तकनीकों का विकास स्वागतयोग्य है, लेकिन इनके उपयोग में व्यक्ति की गरिमा, स्वतंत्रता, निजता और सहमति की रक्षा अनिवार्य है। किसी मनुष्य के विचारों और भावनाओं को समझने की वैज्ञानिक क्षमता का अर्थ यह नहीं हो सकता कि उसके मन पर नियंत्रण स्थापित करने का अधिकार भी प्राप्त हो गया।



में प्रस्तुत विवरण में कार्ल डेइसेरोथ, पीटर हेगेमान और जॉर्ज नांगेल की जिस खोज का उल्लेख है, वह विज्ञान की इसी खोजी प्रवृत्ति का उदाहरण है। इस अनुसंधान से विकसित प्रकाशानुवर्षिकी तकनीक ने मस्तिष्क की गतिविधियों का अध्ययन करने के लिए एक ऐसा मार्ग उपलब्ध कराया है, जिसके माध्यम से वैज्ञानिक विशेष तंत्रिका कोशिकाओं को प्रकाश की सहायता से सक्रिय या निष्क्रिय कर सकते हैं। इस उपलब्धि का महत्व केवल वैज्ञानिक उपलब्धि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन को समझने और उसके दुखों को कम करने की दिशा में एक नई आशा का संचार करता है। वर्ष 2026 के चिकित्सा के नोबेल पुरस्कार के संबंध

छिड़े रहस्य में मानव मस्तिष्क के अध्ययन के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोल दिए। यह घटना हमें बताती है कि प्रकृति में छोट-बड़ा कुछ भी महत्वहीन नहीं होता। कभी-कभी जीवन की सबसे बड़ी समस्याओं का समाधान प्रकृति के सबसे छोटे घटकों में छिपा होता है। इस खोज की मूल भावना को समझना आवश्यक है। हमारे मस्तिष्क में असंख्य तंत्रिका कोशिकाएं विद्युत और रासायनिक संकेतों के माध्यम से परस्पर संवाद करती हैं। यही संवाद हमारी स्मृति, संवेदना, भय, प्रसन्नता, निर्णय और व्यवहार को प्रभावित करता है। पहले वैज्ञानिक मस्तिष्क के उन हिस्सों का अध्ययन कर सकते थे जो किसी विशेष गतिविधि के समय सक्रिय होते हैं, लेकिन

केवल सक्रियता देख लेने से यह निश्चित करना कठिन था कि कोई विशेष कोशिका उस गतिविधि का कारण भी है या नहीं। प्रकाश के माध्यम से चुनिंदा कोशिकाओं को नियंत्रित करने की तकनीक ने इस अंतर को समझने का अवसर दिया। अब वैज्ञानिक अधिक सूक्ष्मता से जांच सकते हैं कि किसी विशेष तंत्रिका समूह को सक्रिय करने अथवा उसकी गतिविधि रोकने से व्यवहार और शारीरिक प्रतिक्रिया में क्या परिवर्तन आता है। इस प्रकार मस्तिष्क, अध्ययन केवल देखने की प्रक्रिया से आगे बढ़कर कारण और परिणाम के संबंधों को समझने की दिशा में बढ़ा है। फिर भी वैज्ञानिक आशा और वास्तविक चिकित्सा उपलब्धि के बीच का अंतर समझना उतना

ही आवश्यक है। विशेषकर मनुष्य के मस्तिष्क में इस तकनीक के सुरक्षित उपयोग के लिए अनेक वैज्ञानिक, चिकित्सकीय और नैतिक चुनौतियों का समाधान आवश्यक है। इसी प्रकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मस्तिष्क के संबंधों में इस अनुसंधान की उपयोगिता की संभावनाएं हो सकती हैं, लेकिन प्रत्येक संभावित लाभ को स्थापित उपलब्धि मान लेना विज्ञान की गंभीरता के अनुकूल नहीं है। वास्तविक वैज्ञानिक दृष्टि वही है जो आशा को जीवित रखे, लेकिन तथ्यों के प्रति ईमानदार भी बने रही। यहां इस खोज की तुलना विज्ञान की उन अन्य उपलब्धियों से भी की जा सकती है, जिन्होंने मानव जीवन की दिशा बदल दी। टीकों ने संक्रामक रोगों से बचाव के नए रास्ते खोले, प्रतिरैविक औषधियों ने अनेक प्राणघातक संक्रमणों के उपचार को संभव बनाया और आधुनिक शल्य चिकित्सा ने असंख्य जीवन बचाए। इन उपलब्धियों की विशेषता केवल उनकी वैज्ञानिक नवीनता नहीं थी, बल्कि उनका व्यापक सामाजिक प्रभाव भी था। दूसरी ओर, विज्ञान की कुछ खोजों को प्रयोगशाला से सामान्य जीवन तक पहुंचने में दशकों लगे। मस्तिष्क संबंधी अनुसंधान भी इसी लंबी यात्रा का हिस्सा है। इसका वास्तविक मूल्य तभी सामने आएगा, जब इससे प्राप्त ज्ञान सुरक्षित उपचारों, सुस्थ चिकित्सा और रोगियों को जीवन में ठोस सुधार का आधार बनेगा।

सीमा के आर-पार बेटियों की तस्कररी का खेल!

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

एक देश की सीमा से दूसरे देश की सीमा तक इंसान की आवाजाही सामान्य बात हो सकती है किंतु जब किसी युवती को दुर्गम रास्तों से चुपचाप सीमा पार कराकर दूसरे शहर में ले जाया जाए, उसके लिए पहले से विवाह तय हो और उसके पीछे विचौलियों का संगठित नेटवर्क काम कर रहा हो, तब मामला मानव तस्करी की गंभीरता का हो जाता है। वस्तुतः ग्वालियर जीआरपी की हालिया कार्रवाई ने इसी भायावह पक्ष की ओर देश का ध्यान खींचा है। बांग्लादेश के कुतुपालोंग शरणार्थी शिविर से म्यांमार मूल की चार युवतियों को अवैध तरीके से भारत लाया गया था। ग्वालियर में स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस के जनरल कोच से इनमें शामिल 25 वर्षीय मुबिन को हिरासत में लिया गया और पूछताछ के बाद उसकी निशानदेही पर उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ से 35 वर्षीय मोहम्मद हसन को पकड़ा गया है। गहराई से पता करने पर सामने आया है कि चारों युवतियों को आगे जम्मू-कश्मीर ले जाकर मैरिज कराने की योजना थी। वस्तुतः आज यह कार्रवाई इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसने एक ऐसे रास्ते की ओर संकेत किया है जिसमें बांग्लादेश का शरणार्थी शिविर, सीमा पार कराने वाले विचौलिए, भारत के भीतर ठिकाने, रेलमार्ग और आगे विवाह की व्यवस्था जैसी अलग-अलग कड़ियां एक-दूसरे से जुड़ती दिखाई दे रही है। गृह मंत्रालय के अनुसार नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार से महिलाओं और लड़कियों को बेहरा जीवन, रोजगार और सुविधाओं के वादे पर भारत लाने के मामले सामने आए हैं। सरकारी रिकॉर्ड में यह भी दर्ज है कि भारत से महिलाएं और लड़कियां आगे मध्य-पूर्व तथा दक्षिण-पूर्व एशिया तक पहुंचाई जाती रही हैं। यानी समस्या की दिशा एकरूपता नहीं है। भारत की बेटियों को भी विदेशों में रोजगार, विवाह, मनोरंजन या दूसरे अवसरों के नाम पर फंसाकर शोषण के मामले का सामना करना पड़ रहा है। इन्हें 2026 में सीबीआई ने भारतीय नागरिकों को आकर्षक नौकरियां का झांसा देकर दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों, विशेषकर म्यांमार



और कंबोडिया स्थित साइबर अपराध परिसरों तक पहुंचाने वाले एक संगठित नेटवर्क की जांच शुरू की। तब भी पीड़ितों को वहां जबरन साइबर धोखाधड़ी में लगाए जाने की बात सामने आई थी। दरअसल, विदेशों में फंसी भारतीय महिलाओं की समस्या का आकार भी इस तथ्य से समझा जा सकता है कि विदेश मंत्रालय के आंकड़ों में पिछले वर्षों के दौरान खाड़ी देशों से भारतीय महिलाओं को सुरक्षित भारत वापस लाने के अनेक मामले दर्ज हैं। साल 2021 से 2025 के बीच अकेले कुवैत, ओमान, यूएई, कतर और सऊदी अरब जैसे देशों से बड़ी संख्या में महिलाओं की सहायता, शिकायतों के समाधान या सुरक्षित वापसी के मामले दर्ज हुए। वस्तुतः यहाँ कहना यही है कि मानव तस्करी का अर्थ सिर्फ किसी महिला को वेश्यावृत्ति में धकेलना नहीं है। जबरन श्रम, यौन शोषण, फर्जी विवाह, घरेलू बंधुआ श्रम, बच्चों की तस्करी और झूठे रोजगार के नाम पर विदेश भेजना इसके अलग-अलग रूप हैं। संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय के दक्षिण एशिया संबंधी आंकड़ों में महिलाओं और लड़कियों की बड़ी हिस्सेदारी मानव तस्करी के पहचाने गए पीड़ितों में सामने आती है। विवाह के नाम पर तस्करी विशेष रूप से गंभीर है क्योंकि इसमें अपराध को सामाजिक

स्वीकार्यता की आड़ मिल जाती है। अमेरिकी विदेश विभाग को भारत संबंधी मानव तस्करी रिपोर्ट में भी भारत के भीतर और भारत से बाहर ब्राह्मण धोखाधड़ी में लगाए जाने की बात विवाहों के इस्तेमाल का उल्लेख किया गया है। उसी रिपोर्ट में भारत में नेपाली और बांग्लादेशी महिलाओं तथा लड़कियों को झूठे रोजगार के वादों से लाकर शोषण करने के मामलों का भी उल्लेख है। इस पूरे प्रकरण में मध्य प्रदेश जीआरपी की त्वरित कार्रवाई सराहनीय है। सूचना मिली, ट्रेन की पहचान हुई, संदिग्ध को ग्वालियर में उतारा गया, पूछताछ हुई, दूसरे व्यक्ति का पता चला और फिर अलीगढ़ में दर्बिश देकर युवतियों को बरामद किया गया। अपराध के मामले में सूचना से कार्रवाई और कार्रवाई से बरामदगी तक पहुंचने की यह गति महत्वपूर्ण है। चार युवतियों की जिंदगी संभवतः ऐसे रास्ते की ओर बढ़ रही थी जहां उनकी इच्छा, स्वतंत्रता और भविष्य किसी दूसरे व्यक्ति के आर्थिक हित के सामने गौण हो सकते थे। समय पर हुई कार्रवाई ने उस संभावना को रोक दिया।

एमएलसी चुनाव में वोटरों से संपर्क और संवाद पर भाजपा का जोर

लोक हस्तक्षेप संवाददाता
इटावा। एमएलसी चुनाव से पहले हुई भाजपा की जिला मासिक बैठक में आगामी विधान परिषद चुनाव की तैयारियों और संगठनात्मक अभियानों की समीक्षा की गई। पार्टी पदाधिकारियों से वोटर लिस्ट लेकर मतदाताओं से संपर्क और संवाद बढ़ाने का आह्वान किया गया। बैठक में बृथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने और केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाने पर भी चर्चा हुई।

भाजपा जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष अरुण कुमार अन्नू गुप्ता की अध्यक्षता में हुई बैठक में क्षेत्रीय महामंत्री आनंद सिंह ने बताया कि पार्टी ने स्नातक विधान परिषद सदस्य के लिए डॉ. मानवेन्द्र प्रताप सिंह और शिक्षक विधान परिषद सदस्य के लिए इंजीनियर हरकिशोर तिवारी को प्रत्याशी बनाया है। दोनों प्रत्याशी नामांकन दाखिल कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि जिले में स्नातक विधान परिषद के १९,५२६ और शिक्षक विधान परिषद के ३,९३७ मतदाता हैं।

स्नातक चुनाव के लिए १८ बृथ और १४ मतदान केंद्र, जबकि शिक्षक चुनाव के लिए ११ बृथ और ११ मतदान केंद्र बनाए गए हैं। जिलाध्यक्ष अन्नू गुप्ता ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन के २५ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में १७ सितंबर से १७ अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है।

अभियान के तहत १३ प्रकार के कार्यक्रम प्रस्तावित हैं। उन्होंने बताया कि आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम में कानपुर-बुदेलखंड क्षेत्र में इटावा को द्वितीय स्थान मिला है। संचालन जिला महामंत्री जितेंद्र गौड़ ने किया। इस दौरान जिला महामंत्री सतेंद्र राजपूत, हरनाथ कुशवाहा, जिला उपाध्यक्ष कृपा नायरण तिवारी, विरला शाक्य, अशोक चौबे, यशवर्धन चौधरी आदि मौजूद रहे।

युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग महेवा ने निकाली बाइक रैली

लोक हस्तक्षेप संवाददाता
महेवा। सेवा संकल्प अभियान के तहत युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग द्वारा ब्लॉक मुख्यालय महेवा से एक बाइक रैली का आयोजन किया जिसने जागरूकता अभियान चलाते हुए पूरे कस्बे में भ्रमण किया तथा भारत माता की जय ,बंदे मातरम के नारे लगाए रैली का नेतृत्व क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी महेवा ए के निगम ने किया ।प्राप्त विवरण के अनुसार बुधवार की सुबह तड़के आठ बजे करीब दो दर्जन से अधिक पी आर डी जवान अपनी बाईकों,सायकिलों से ब्लॉक मुख्यालय पहुंचे जहां ब्लॉक कमांडर द्वारा परेड कराई गई तथा बी ओ पी वी डी ने सलामी ली उसके बाद बी ओ श्री निगम ने हरी झंडी दिखाकर बाइक रैली को रवाना किया जो पूरे कस्बे में भ्रमण करती हुई वापस शहीद स्मारक पर समाप्त हुई। इस दौरान बी सी धर्मेद सिंह ,सुधीर प्रताप सिंह ,विपिन कुमार ,प्रदीप कुमार ,राघवेंद्र सिंह ,सत्यवीर सिंह सहित दो दर्जन से अधिक जवान मौजूद रहे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत सीएचसी महेवा में चला स्वच्छता अभियान

लोक हस्तक्षेप संवाददाता
महेवा। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) महेवा में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान अस्पताल परिसर के विभिन्न हिस्सों में साफ-सफाई कर स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण बनाए रखने का संदेश दिया गया।सीएचसी अधीक्षक डॉ. अभिषेक वर्मा ने कहा कि स्वच्छता स्वस्थ जीवन की पहली सीढ़ी है। अस्पताल परिसर में नियमित साफ-सफाई से संक्रमण के खतरे को कम किया जा सकता है। उन्होंने लोगों से अपने आसपास साफ-सफाई रखने तथा गंदगी और जलभराव न होने देने की अपील की।इस दौरान मौसमी बीमारियों से बचाव को लेकर भी लोगों को जागरूक किया गया। बदलते मौसम में बुखार, वायरल संक्रमण, डेंगू, मलेरिया एवं अन्य संक्रामक बीमारियों से बचाव के लिए साफ पानी पीने, घर एवं आसपास स्वच्छता रखने, मच्छरों की रोकथाम करने तथा किसी भी प्रकार के लक्षण दिखाई देने पर समय से स्वास्थ्य केंद्र पर जांच कराने की सलाह दी गई।स्वच्छता अभियान में डॉ. दिलीप अग्रहर् (बीपीएम), दया शंकर (फार्मासिस्ट), डॉ. जितेंद्र सिंह, डॉ. राघव, राधेश्याम, सफाईकर्मि हिमांशु सहित सीएचसी के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। सभी ने अभियान में सहभागिता करते हुए अस्पताल परिसर को स्वच्छ बनाने में सहयोग किया।

सटरस मेले में सोनम की गोद भराई, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य का दिया संदेश

लोक हस्तक्षेप संवाददाता
महेवा। ब्लॉक परिसर में चल रहे सात दिवसीय सरस मेले के आयोजन के अंतर्गत बुधवार को आंगनवाड़ी केंद्र निवाड़ी कला की ओर से गर्भवती लाभार्थी श्रीमती सोनम पत्नी आकाश कुमार, निवासी ग्राम निवाड़ी कला की गोद भराई की रस्म कराई गई। कार्यक्रम खंड विकास अधिकारी महेवा वृज विहारी त्रिपाठी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।इस अवसर पर बाल विकास परियोजना अधिकारी मनोमरा पाण्डेय की मौजूदगी में आंगनवाड़ी कार्यकर्त्री नीलम ने लाभार्थी की गोद भराई की रस्म पूरी कराई। कार्यक्रम में गर्भवती महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान पौष्टिक आहार लेने, नियमित स्वास्थ्य जांच कराने, स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने तथा विभाग द्वारा संचालित मातृ एवं शिशु कल्याण योजनाओं का लाभ लेने के लिए जागरूक किया गया।अधिकारियों ने कहा कि गर्भवती महिलाओं और बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बेहद जरूरी है। सरस मेले के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र में संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी लोगों तक पहुंचाई जा रही है।इस दौरान एडीओ पंचायत इंद्रपाल सिंह भदौरिया ,एडीओ आई एस वी प्रवीण शाक्य ,खंड प्रे्रक संतोष कुमार , सुपरवाइजर मोनिका चौहान ,आंगनवाड़ी शारदा कुशवाहा आदि मौजूद रहे।

एमएलसी चुनाव में वोटरों से संपर्क और संवाद पर भाजपा का जोर

लोक हस्तक्षेप संवाददाता
इटावा। एमएलसी चुनाव से पहले हुई भाजपा की जिला मासिक बैठक में आगामी विधान परिषद चुनाव की तैयारियों और संगठनात्मक अभियानों की समीक्षा की गई। पार्टी पदाधिकारियों से वोटर लिस्ट लेकर मतदाताओं से संपर्क और संवाद बढ़ाने का आह्वान किया गया। बैठक में बृथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने और केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाने पर भी चर्चा हुई।

भाजपा जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष अरुण कुमार अन्नू गुप्ता की अध्यक्षता में हुई बैठक में क्षेत्रीय महामंत्री आनंद सिंह ने बताया कि पार्टी ने स्नातक विधान परिषद सदस्य के लिए डॉ. मानवेन्द्र प्रताप सिंह और शिक्षक विधान परिषद सदस्य के लिए इंजीनियर हरकिशोर तिवारी को प्रत्याशी बनाया है। दोनों प्रत्याशी नामांकन दाखिल कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि जिले में स्नातक विधान परिषद के १९,५२६ और शिक्षक विधान परिषद के ३,९३७ मतदाता हैं।

सीबीआई टीमें खाली हाथ लौटते हुए ईमानदारी का प्रमाण दे गई : भगवत मान

लोक हस्तक्षेप संवाददाता
चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवत सिंह मान ने बुधवार को पंजाब में सीबीआई की १२ घंटे की छापेमारी को लेकर भाजपा पर निशाना साधा। मान ने कहा एजेंसी की टीमें खाली हाथ लौटीं और पूरे पंजाब में बड़ी तलाशी के बावजूद कुछ नहीं मिला। यह नतीजा सरकार की ईमानदारी का साफ सबूत है। उन्होंने भाजपा पर चुनाव से पहले चुनी हुई सरकार के मुख्यमंत्री को डराने और उनकी छवि खराब करने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उन्होंने साफ किया कि न तो वह और न ही पंजाब सरकार ऐसे हथकंडों से डरते हैं। वह पैसा कमाने के लिए राजनीति में नहीं आए हैं, बल्कि पंजाब की सेवा करने के लिए आए हैं और पंजाबी कभी ‘धक्केशाही’ बर्दाश्त नहीं करेंगे।

‘एक्स’ पर पोस्ट करते हुए, मुख्यमंत्री भगवत सिंह मान ने लिखा: ‘...सीबीआई रेड सिर्फ राजनीतिक बौखलाहट का नतीजा है। हम डराने या बदनाम करने की ऐसी कायरतापूर्ण कोशिशों से ना डरेंगे या ना ही झुकेंगे हम यहां पैसा कमाने नहीं, पंजाब की सेवा करने आए हैं,

जलभराव की समस्या से ग्रामीणों में भारी नाराजगी, शिकायत के बाद भी नहीं हुआ समाधान

सीसी रोड पर जमा रहता है पानी और मलबा, खेतों व धार्मिक स्थल तक पहुंचने में ग्रामीणों को परेशानी

लोक हस्तक्षेप संवाददाता
इटावा। महेवा विकासखंड महेवा की ग्राम पंचायत टढ़वा इस्माइलपुर के मजरा नौगांव में जलभराव की समस्या को लेकर ग्रामीणों में भारी नाराजगी दिखाई दे रही है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव की सीसी रोड पर लंबे समय से पानी और मलबा जमा होने के कारण आवागमन में काफी परेशानी हो रही है। सड़क पर पूरे दिन मलबा एकत्रित रहने से ग्रामीणों को खेतों पर जाने के साथ-साथ इस्माइलपुर तथा ब्रह्मदेव स्थान पर पूजा-अर्चना करने के लिए भी इसी रास्ते से गुजरना पड़ता है।

ग्रामीणों के मुताबिक जलभराव और मलबे की समस्या को लेकर कई बार संबंधित अधिकारियों को शिकायत दी जा चुकी है, लेकिन अभी तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं कराया गया है। इससे ग्रामीणों में रोष व्याप्त है।

सतयुग दर्शन संगीत कला केंद्र ने संगीत जागरूकता एवं संवादात्मक कार्यशाला का किया आयोजन

लोक हस्तक्षेप संवाददाता
गुरुग्राम । सतयुग दर्शन संगीत कला केंद्र के सहयोग से एचएम सीनियर सेकेंडरी स्कूल परिसर में छात्रों के लिए संगीत जागरूकता एवं संवादात्मक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने गायन, कीबोर्ड, तबला, गिटार एवं नृत्य से जुड़े विभिन्न पहलुओं को समझा और संगीत की रचनात्मक एवं शैक्षिक उपयोगिता को जाना। केंद्र की व्यवस्थापक दीपा बवेजा ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य छात्रों में संगीत के प्रति रुचि विकसित करने के साथ-साथ उन्हें संगीत के विभिन्न क्षेत्रों एवं संभावनाओं से परिचित कराना था। आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में प्रिंसिपल दीपेंद्रकांत शामिल हुए। उन्होंने पियानो पर राग पूरिया में झाला बजाकर अपनी शानदार प्रस्तुति दी।

कानपुर से दिल्ली, मुंबई, का हवाई किराया बढ़ा त्योहारों से पहले इंडिगो ने बढ़ाए दाम, जेब पर पड़ेगा भारी असर

कानपुर,एजेंसी। त्योहारों का मौसम शुरू होने से पहले ही हवाई यात्रियों की जेब पर महंगाई का असर पड़ने लगा है। विमान ईंधन की सितंबर व अक्टूबर में हुई १३ प्रतिशत बढ़ोतरी के बीच इंडिगो ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर चार्ज बढ़ा दिया है। इसका सीधा असर टिकट के किराए पर पड़ा है। कानपुर से दिल्ली, मुंबई और बंगलुरु जाने वाले यात्रियों को अब पहले के मुकाबले अधिक किराया चुकाना पड़ेगा।

त्योहारों के दौरान बढ़ती मांग ने किराए में और बढ़ोतरी कर दिया है। कानपुर एयरपोर्ट से दिल्ली और मुंबई के लिए रोजाना उड़ान संचालित होती है, जबकि बंगलुरु के लिए सोमवार, बुधवार और शनिवार को फ्लाइट उपलब्ध है।

मौजूदा किराए की तुलना में दिल्ली रूट पर औसत किराए में करीब ६८ फीसदी, मुंबई रूट पर ५१ फीसदी और बंगलुरु रूट पर करीब ५६ फीसदी तक बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ऐसे में नवरात्र, दशहरा और दीपावली के दौरान हवाई यात्रा करने वालों का बजट बिगड़ सकता है।

दिल्ली का सफर ६०० रुपये महंगा: कानपुर से दिल्ली जाने वाली इंडिगो फ्लाइट का किराया पहले करीब ४,३७४ रुपये था, जो

शिकार नहीं होगा। ‘पंजाब में छपेमारी करने वाली टीमें खाली हाथ लौटी हैं। वे एक मकसद से आई थीं, लेकिन उन्हें क्या मिला? कुछ नहीं। वे खाली हाथ लौटीं।’ इस तरह की छपेमारी डर का माहौल बनाने और छवि खराब करने की कोशिश के अलावा और कुछ नहीं है, जबकि कोई गलत काम नहीं हुआ है। यह कोशिश सिर्फ उन्हें राजनीतिक तौर पर टारगेट करने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि उनके परिवार और पंजाब सरकार के द्वारा किए जा रहे काम को बदनाम करने के उद्देश्य से की गई है।

उन्होंने कहा, ‘यह मुझे, मेरे परिवार और हमारी सरकार के कामों को बदनाम करने की कोशिश है। लेकिन ऐसी साजिशें हमें पंजाब के लोगों की सेवा करने से नहीं रोक सकतीं। भाजपा हमें परेशान करने की बेकार और बेकार कोशिशें कर रही है।’ राज्य सरकार की ‘युद नशिआं विरुद्ध’ मुहिम का जिफ्र करते हुए, मुख्यमंत्री ने दोहराया कि राजनीतिक दबाव उनके इरादे को कमजोर नहीं कर सकता। ‘हम इस के खिलाफ इसलिए लड़ रहे हैं क्योंकि पंजाब के युवाओं का भविष्य दांव पर लगा है। हम यह संदेश राज्य के कोने-कोने



और मुकेश सिंह सहित अन्य ग्रामीण शामिल हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मौके का निरीक्षण कर सड़क से मलबा हटवाया जाए, जलनिकासी की उचित व्यवस्था कराई जाए और समस्या का स्थायी समाधान कराया जाए, ताकि ग्रामीणों को आवागमन में हो रही परेशानी से निजात मिल सके।

गुरुग्राम बार एसोसिएशन ने फ्लाई दुबई के पायलट कैप्टन स्मित माछर को अशोक चक्र देने की मांग की



सुरक्षा सुनिश्चित की, जिससे पूरे विश्व में भारतवर्ष का मान बढ़ा है। उनका कहना है कि अशोक चक्र भारत का सर्वोच्च शांतिकालीन वीरता पुरस्कार है, जो सैन्य कर्मियों के साथ-साथ असाधारण साहस और बलिदान देने वाले आम नागरिकों को भी प्रदान किया जाता है। इतिहास का हवाला देते हुए ज्ञापन में वर्ष १९५५ में कश्मीर प्रिंसेस विमान हादसे के दौरान सज़्जबूझ दिखाते वाले कैप्टन डीके जतार और



अब बढ़कर ४,९७४ रुपये तक पहुंच गया है। यानी यात्रियों को करीब ६०० रुपये अतिरिक्त चुकाने पड़ रहे हैं। त्योहारों के दौरान सीटों की मांग बढ़ने पर यह किराया और ऊपर जा सकता है।

मुंबई के लिए भी बढ़ा खर्च: कानपुर से मुंबई की उड़ान का किराया पहले ६,१७३ रुपये था। अब यही टिकट करीब ६,७७३ रुपये में मिल रहा है। यानी यात्रियों पर करीब ६०० रुपये का अतिरिक्त भार पड़ा है। मुंबई रूट पर रोजाना उड़ान होने के बावजूद त्योहारों के दौरान बढ़ती बुकिंग के कारण किराए में

तक ले जा रहे हैं। यह लड़ाई हमारे बच्चों के भविष्य और शहीदों और पंजाब के लिए कुर्बानी देने वालों के सम्मान के लिए है। पंजाबियों ने बार-बार अपनी हिम्मत दिखाई है और वे धमकियों, छपे या राजनीतिक दबाव के आगे नहीं झुकेंगे। उन्होंने कहा, ‘पंजाबी कभी दबाव के आगे नहीं झुके, न ही अब झुकेंगे। पंजाब ऐसे हथकंडों के आगे समर्पण नहीं करेगा। हम मजबूती से खड़े रहेंगे और पंजाब और उसके लोगों के लिए काम करते रहेंगे।’ मान ने कहा कि भाजपा को यह नहीं सोचना चाहिए कि केंद्रीय एजेंसियों के द्वारा पंजाब के लोगों को डराया जा सकता है। ‘भाजपा के लिए सब कुछ चुनाव हो सकता है, लेकिन हमारे लिए सरकार चलाना लोगों की सेवा करने के उद्देश्य से है। चुनाव आते-जाते रहेंगे, लेकिन पंजाब और उसके लोग हमारी प्राथमिकता रहेंगे।’ पंजाब सरकार केंद्र सरकार के संस्थानों का राजनीतिक मकसद से गलत इस्तेमाल करने की कोशिशों का पर्दाफाश करती रहेगी और राज्य की भलाई और विकास के लिए पूरी तरह समर्पित रहेगी। उन्होंने कहा, ‘हमारे पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है और

सीएम भगवंत सिंह मान ने कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के आंदोलन के दौरान पंजाब के ७०० से ज्यादा किसानों की मौत में भाजपा की भूमिका की ओर भी इशारा किया। उन्होंने कहा, ‘भाजपा के हाथ राज्य के ७०० से ज्यादा किसानों के खून से रंगे हैं, जिन्होंने काले खेती कानूनों के विरोध में अपनी शहादत दे दी थी।’ खेती के क्षेत्र में भाजपा की उपलब्धियों का जिफ्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि नहर से सिंचाई बढ़ाने से किसानों को सीधा फायदा हुआ है। उन्होंने कहा, ‘नहर का पानी

आवारा सांड के हमले से बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल
लोक हस्तक्षेप संवाददाता
महेवा। थाना बकेवर क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम उड़ियानी में घर के बाहर चारपाई पर लेटे बुजुर्ग को आवारा सांड ने जानलेवा हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया जिन्हें परिजनों ने महेवा सी एच सी पर भर्ती कराया जहां गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रिफर किया गया जबकि उक्त सांड ने दो दिन पूर्व बुजुर्ग के बेटे को भी हमला कर घायल कर दिया था परिजनों सहित ग्राम वासियों ने उक्त सांड सहित छुड़ा घूम रहे गौवंशो को गौशाला में पहुंचाने की मांग की है। प्राप्त विवरण के अनुसार बुधवार की सुबह ग्राम उड़ियानी निवासी लक्ष्मी कांत तिवारी उर्फ गिर्राज जी महाराज उम्र करीब ८५ वर्ष घर के बाहर चारपाई पर लेटे थे कि अचानक एक आवारा सांड ने आकर उन्हें चारपाई सहित उलट दिया जिससे उनके सर में आघात शरीर में आघात गंभीर रूप से चोट आई परिजन आनन फानन में उन्हें महेवा सी एच सी लाए जहां से गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रिफर किया गया वहीं दो दिन पूर्व उक्त सांड ने बुजुर्ग लक्ष्मीकांत के बेटे विनय तिवारी को भी हमला करके घायल कर दिया था घायल बुजुर्ग के नाती पत्रकार अनुराग तिवारी एवं अन्य ग्रामवासियों ने जिला पशु चिकित्सा अधिकारी इटावा सहित उपजिलाधिकारी भरथना तथा खंड विकास अधिकारी महेवा से उक्त सांड सहित अन्य सभी छुड़ा पशुओं को पकड़कर निकटतम गौशाला में पहुंचाने की मांग की है।

वरिष्ठ अधिवक्ता रविंद्र जैन ने मुख्यमंत्री से शिष्टाचार भेंट कर हरियाणा में भारी निवेश पर दी बधाई

लोकेश कुमार
गुरुग्राम। विकसित भारत संकल्प सभा एवं सेवा ज्योति यात्रा के अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता व समाजसेवी रविंद्र जैन द्वारा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से शिष्टाचार भेंट की गई। इस मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री को उनकी हालिया सिंगापूर यात्रा के सफलतापूर्ण समापन और हरियाणा में भारी मात्रा में निवेश आकर्षित करने के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के प्रयासों से प्रदेश में आने वाला यह नया निवेश हरियाणा के युवाओं के लिए रोजगार के नए सुनहरे अवसर पैदा करेगा। इसके साथ ही यह कदम राज्य में औद्योगिक विकास को तीव्र गति देने और प्रदेश को प्रगति के मार्ग पर देश की नई ऊंचाइयों पर ले जाने में मील का पत्थर साबित होगा। वर्तमान राज्य सरकार की नीतियों और विदेशी निवेशकों के बढ़ते भरोसे से हरियाणा देश के अग्रणी औद्योगिक राज्यों में अपनी स्थिति को और अधिक मजबूत कर रहा है। इस महत्वपूर्ण शिष्टाचार भेंट और अवसर पर हरियाणा महिला आयोग की पूर्व वाइस चेयरमैन सुमन दहिया समेत कई अन्य गणमान्य व्यक्ति विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी ने मुख्यमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व की सराहना करते हुए प्रदेश के सर्वांगीण विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के २५ वर्ष सेवा के पूर्ण होने पर किया भण्डरा

लोक हस्तक्षेप संवाददाता
गुरुग्राम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रसेवा में २५ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रॉटरी क्लब सिविल लाइन द्वारा ऑडिसा स्थल पर एक विशाल भंडारे का भव्य आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर बड़ी संख्या में आए श्रद्धालुओं और जरूरतमंदों को प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से चार्टर्ड प्रेसिडेंट सुमन दहिया, पैरन एवं समाजसेवी रवीन्द्र जैन, क्लब प्रेसिडेंट सनवीर महलावत और सीनियर एडवोकेट संदीप अनेजा उपस्थित रहे। इन सभी गणमान्य अतिथियों ने अपने हाथों से श्रद्धालुओं को भंडारे का प्रसाद वितरित किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के २५ वर्षों के निर्बाध और समर्पित कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में देश ने विकास, सुशासन और जनहित के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए हैं। समाज सेवा और राष्ट्रभक्ति की भावना को आगे बढ़ाते हुए आयोजित इस भंडारे में स्थानीय लोगों ने भी बहु-चक्रर अपनी सहभागिता दर्ज कराई। क्लब के पदाधिकारियों ने सफल आयोजन के लिए सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्र सेवा तक २५ वर्ष पूरे होने पर मनाया सेवा कार्यक्रम

लोक हस्तक्षेप संवाददाता
गुरुग्राम । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन सेवा से राष्ट्र सेवा तक २५ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शिवसेना द्वारा विभिन्न सेवा कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शिवसेना की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी गई। राज्य संगठन मंत्री एवं जिला प्रभारी ने बताया कि कार्यक्रम के तहत शिवसेना गुरुग्राम की टीम सरकारी स्कूल पहुंची, जहां विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री एवं मिठइयों का वितरण किया गया। इसके साथ ही जरूरतमंद लोगों के लिए विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि शिवसेना हरियाणा के राज्य प्रमुख नीरज सेठी ने किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के २५ वर्ष सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित रहे हैं। उनके सेवा भाव से प्रेरणा लेते हुए शिवसेना द्वारा समाज के जरूरतमंद वर्ग और विविध क्षेत्र के बीच सेवा कार्य किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष ललित क्रांतिकारी, राज्य सचिव सुमित मलिक, जिला प्रवक्ता संजीव डांडा, जिला सचिव गौरव वशिष्ठ, जिला उप प्रमुख रवि ग्रोवर, ब्लॉक प्रमुख मनोज कुमार, जिला कोषाध्यक्ष सुभाष सावरन, साहिल सावरन, तुषार सावरन, कीर्ति प्रधान, अनुराग सिंह, रजत ग्रोवर एवं वाल्मीकि सभा के प्रधान ज्ञानेश्वर सावरन सहित अनेक शिवसैनिक एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बड़े पैमाने पर किसानों तक पहुंच रहा है। नहर के पानी की बेहतर उपलब्धता के कारण, कई इलाकों में किसानों की खेती की पैदावार में चार क्विंटल प्रति एकड़ तक बढ़ोतरी हुई है।

‘पंजाब के कीमती ग्रांडवॉटर संसाधनों की रक्षा और राज्य के खेती के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए नहर के पानी का इस्तेमाल बढ़ाना भी बहुत जरूरी है। सरकार नहर से सिंचाई बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि किसान ग्रांडवॉटर के बजाय सतही नहर के पानी पर निर्भर हो सकें। विपक्षी पार्टियों पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के आंदोलन के दौरान पंजाब के ७०० से ज्यादा किसानों की मौत में भाजपा की भूमिका की ओर भी इशारा किया। उन्होंने कहा, ‘भाजपा के हाथ राज्य के ७०० से ज्यादा किसानों के खून से रंगे हैं, जिन्होंने काले खेती कानूनों के विरोध में अपनी शहादत दे दी थी।’ खेती के क्षेत्र में भाजपा की उपलब्धियों का जिफ्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि नहर से सिंचाई बढ़ाने से किसानों को सीधा फायदा हुआ है। उन्होंने कहा, ‘नहर का पानी



जब रात डेढ़ बजे दिलीप कुमार के घर पहुंच गए राज कुमार, गंगा जमुना को देख बोले- मुल्क में सिर्फ दो ही एक्टर

मुंबई ।दिग्गज अभिनेता राज कुमार की आवाज, डायलॉग बोलने का अंदाज और पर्दे पर मौजूदगी ऐसी थी कि कुछ ही पलों में दर्शकों का ध्यान उनकी तरफ चला जाता था ।वह अपने पसंदीदा कलाकारों की खुलकर तारीफ करने से कभी पीछे नहीं हटे ।ऐसा ही एक दिलचस्प किस्सा दिग्गज अभिनेता दिलीप कुमार से जुड़ा है, जो अभिनेता रजा मुराद ने बताया था ।रजा मुराद ने एक इंटरव्यू में बताया कि राज कुमार, दिलीप कुमार की एक्टिंग के बहुत बड़े फैन थे ।एक बार राज कुमार ने दिलीप कुमार की फिल्म ‘गंगा जमुना’ थिएटर में देखी ।फिल्म में दिलीप कुमार की एक्टिंग उन्हें इतनी पसंद आई कि उनकी तारीफ करने रात करीब डेढ़ बजे उनके घर पहुंच गए ।उन्होंने दिलीप कुमार को बुलाया और कहा, ‘ ‘जानी युसूफ खान तुम्हारी फिल्म ‘गंगा जमुना’ देखकर आ रहा हूं और आज हमें मालूम हुआ कि इस मुल्क में सिर्फ दो ही एक्टर हैं, राज कुमार और दिलीप कुमार ।’ ’ रजा मुराद ने बताया कि ये बात कहकर वह वहां से चले गए ।इस पूरी घटना से दिलीप कुमार भी हैरान रह गए थे । ‘गंगा जमुना’ साल 1961 में रिलीज हुई थी और इसमें दिलीप कुमार ने बड़े भाई गंगा का किरदार और नासिर खान ने छोटे भाई जमुना का किरदार निभाया था ।दोनों भाइयों का पालन-पोषण उनकी गरीब विधवा मां ने किया ।गंगा अपने छोटे भाई जमुना को पढ़ाने के लिए कड़ी मेहनत करता है और खेतों में पसीना बहाता है ।जमुना पढ़-लिखकर आगे चलकर पुलिस अधिकारी बन जाता है, जबकि गंगा विपरीत परिस्थितियों और व्यवस्था के अन्याय का शिकार होकर डाकू बनने पर मजबूर हो जाता है ।इसके बाद कहानी दोनों भाइयों के बीच टकराव की बन जाती है, जहां एक तरफ कानून और कर्तव्य हैं, तो दूसरी तरफ भाई का प्यार है ।कहानी में कई रिशतों के संघर्ष को दिखाया गया है ।



मराठी बीट, जबरदस्त हुकरस्टेप और ईशा-गुरमीत की जोड़ी... ‘नखरे’ में मिलेगा फुल एंटरटेनमेंट

मुंबई ।एक्ट्रेस ईशा मालवीय एक बार फिर सिंगर और हिटमेकर संजू राठोड के साथ नजर आने वाली हैं ।दोनों अपकमिंग मराठी ट्रैक ‘नखरे’ के लिए दोबारा साथ आए हैं । इस गाने में ईशा के साथ एक्टर गुरमीत चौधरी भी नजर आएंगे ।गाने को लेकर ईशा ने कहा कि शूटिंग के दौरान हमें काफी मजा आया ।इसमें युथफुल अंदाज, मराठी म्यूजिक का टच और कैची हुकरस्टेप देखने को मिलेंगे ।ईशा ने ‘नखरे’ के बारे में बात करते हुए कहा, ‘ ‘नखरे में बहुत मजेदार और यूथफुल वाइब है ।

ज़ी सिनेमा पर मचेगा प्यार, कन्यापूजन और कॉमेडी का धमाल, ‘है जवानी तो इश्क होना है’ का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर 10 अक्टूबर को रात 8 बजे

मुम्बई। सिनेमा इस शनिवार,10 अक्टूबर को रात 8 बजे डेविड धवन की ‘है जवानी तो इश्क होना है’ का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर लेकर आ रहा है। यह फिल्म वरुण धवन और उनके पिता डेविड धवन की चौथी साथ की फिल्म है। इससे पहले दोनों ‘कुली नं. 1’, ‘जुड़वा 2’ और ‘मैं तेरा हीरो’ में साथ काम कर चुके हैं। टिप्स फिल्मस् लिमिटेड के बैनर तले बनी और रमेश तोरानी द्वारा निर्मित ‘है जवानी तो इश्क होना है’ एक टिपिकल डेविड धवन एंटरटेनर है, जिसमें उनकी खास कॉमेडी, दिल को छू लेने वाला पारिवारिक ड्रामा, रोमांस और भरपूर मनोरंजक अफरा-तफरी का शानदार मेल देखने को मिलता है।

कहानी जस (वरुण धवन) की है, जिसकी अपनी पत्नी बानी (मृणाल ठाकुर) के साथ शादीशुदा जिंदगी में दूरियां आ चुकी हैं। इसी दौरान, इंग्लैंड में उसकी मुलाकात प्रीत (पूजा हेगड़े) से होती है। इसके बाद शुरू होता है गलतफहमियों, बदली हुई पहचान, उलझते रिशतों, बड़े बड़े झूठ और मजेदार घटनाओं का ऐसा सिलसिला, जो दर्शकों को हँसी से लोटपोट कर देता है।

डेविड धवन कहते हैं, ‘सिनेमा में चार दशक से ज्यादा का सफ़र तय करने के बाद भी मेरे लिए सबसे बड़ी खुशी आज भी अपने दर्शकों का मनोरंजन करना है। यह मेरी 46वीं फिल्म है और मैं ऐसी फिल्म बनाना चाहता था, जिसमें वे सभी चीज़ें हों, जिन्हें लोग मेरे सिनेमा में पसंद करते हैं, जैसे हास्य, उलझन, संगीत और भावनाएँ। वरुण के साथ



काम करना इसे और खास बना देता है, क्योंकि वह सिर्फ़ मेरा बेटा ही नहीं, बल्कि ऐसा कलाकार भी है, जिसके साथ मुझे चार फिल्मों में काम करने का सौभाग्य मिला है। सिनेमा ने मुझे बहुत कुछ दिया है, लेकिन आज मेरा परिवार और मेरे पोते-पोतियाँ ही मेरी सबसे बड़ी खुशी हैं। जब तक मैं नई कहानियाँ बनाकर लोगों का मनोरंजन करता रहूँगा, मुझे खुशी मिलती रहेगी। मुझे बेहद खुशी है कि अब यह फिल्म ज़ी सिनेमा पर प्रीमियर होने जा रही है, जिससे देशभर के दर्शकों और परिवारों को एक साथ बैठकर इस मनोरंजक फिल्म का आनंद लेने का मौका मिलेगा। ‘

मृणाल ठाकुर कहती हैं, ‘मैं हमेशा से कॉमेडी करना चाहती थी और यदि मुझे इस जॉनर में कदम रखना था, तो वह डेविड सर के साथ ही होना था। उनकी फिल्मों में एक अलग ही ऊर्जा होती है और उनके पारिवारिक मनोरंजन का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खुशी की बात रही है। बस एक ही

अफसोस है कि काश मैं उनसे पहले मिली होती, क्योंकि मैं उनके साथ और भी फिल्में करना पसंद करती। मुझे बहुत खुशी है कि यह फिल्म अब ज़ी सिनेमा पर प्रीमियर हो रही है और उम्मीद है कि देशभर के दर्शक इसे अपने परिवार के साथ देखकर खूब आनंद उठाएँगे। ‘

पूजा हेगड़े कहती हैं, ‘इस फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए एक शानदार अनुभव रहा है। यह दिलचस्प मोड़, गलतफहमियाँ और ऐसे किरदार हैं जो खुद को बेहद मजेदार और अव्यवस्थित परिस्थितियों में पाते हैं। इस शानदार टीम के साथ काम करके मुझे बहुत आनंद आया। अब जब फिल्म ज़ी सिनेमा पर प्रीमियर हो रही है, तो मैं उत्सुक हूँ कि दर्शक घर बैठे इसका आनंद लें। ‘जिमी शेरगिल कहते हैं, ‘जब से मैं मुंबई आया, तब से मेरी इच्छा थी कि मैं डेविड सर के साथ काम करूँ। उनकी फिल्में साल-दर-साल ब्लॉकबस्टर साबित होती थीं और मुझे हमेशा लगता था कि अगर कभी उनकी फिल्म का हिस्सा बनने का मौका मिला, तो वह बेहद खास होगा। ‘है जवानी तो इश्क होना है’ ने आखिरकार मुझे यह मौका दिया और जोगी रंधावा का किरदार निभाना मेरे लिए बहुत मजेदार रहा। डेविड सर के सेट हमेशा ऊर्जा और हँसी से भरे रहते हैं और वह हर कलाकार से उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन निकलवाते हैं।

कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा दूसरी बार बनने वाले हैं माता-पिता

मुंबई। बॉलीवुड के स्टार कपल कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा के घर एक बार फिर खुशियां आने वाली हैं। दोनों जल्द ही दूसरी बार माता-पिता बनने वाले हैं। कियारा और सिद्धार्थ ने सोशल मीडिया पर एक जॉइंट पोस्ट के जरिए यह खुशखबरी अपने फैंस के साथ शेयर की है। कपल ने बताया कि एक बार फिर उन्हें जिंदगी का सबसे ख़ूबसूरत तोहफा मिलने वाला है। इस ख़बर के सामने आते ही फैंस उन्हें बधाई देने लगे हैं। कियारा और सिद्धार्थ ने इंस्टाग्राम पर एक प्यारी तस्वीर शेयर की है, जिसमें उनकी पहली बेटी सरायाह मल्होत्रा अपने माता-पिता को ऊन से बने मोजे देती नजर आ रही हैं। इस तस्वीर के जरिए कपल ने अपने दूसरे बच्चे के आने की खबर बेहद ख़ूबसूरत अंदाज में दी। पोस्ट के कैप्शन में दोनों ने लिखा, ‘‘एक बार फिर सबसे बड़े तोहफे का आशीर्वाद मिला... हमारे दिल प्यार और आभार से भरे हुए हैं।’’ बता दें कि कियारा और सिद्धार्थ की लव स्टोरी की शुरुआत फिल्म ‘शेरशाह’ के सेट से हुई थी। दोनों ने साल 2021 में आई इस फिल्म में साथ काम किया था। फिल्म की शूटिंग के दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और धीरे-धीरे उनका रिश्ता प्यार में बदल गया। कई साल तक डेट करने के बाद दोनों ने फरवरी 2023 में राजस्थान में ग्रैंड वेडिंग की। शादी में परिवार और करीबी दोस्त ही शामिल हुए थे। शादी के करीब दो साल बाद जुन 2025 में कियारा और सिद्धार्थ पहली बार माता-पिता बने। उनके घर एक बेटी ने जन्म लिया, जिसका नाम सरायाह रखा गया।

कियारा और सिद्धार्थ की दूसरी बार पैरेंट्स बनने के अनाउंसमेंट के बाद सोशल मीडिया पर फैंस उन्हें लगातार बधाई दे रहे हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो कियारा आडवाणी हाल ही में यश स्टारर फिल्म ‘टॉक्सिक’ में नजर आई हैं। इस फिल्म में उनके साथ यश, नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत भी अहम भूमिकाओं में हैं। वहीं, सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म ‘वन- फोर्स ऑफ द फरिस्ट’ 25 सितंबर को रिलीज हुई थी, जिसमें वह तमन्ना भाटिया के साथ नजर आए हैं।



अमिताभ ने खुद खोला राज, ‘तूफान’ में किया था माधुरी के गाने का कॉमिक वर्जन

मुंबई । अभिनेत्री माधुरी दीक्षित का गाना ‘एक-दो तीन’ आज भी लोगों के दिलों में बसा हुआ है। मगर कम ही लोग जानते हैं कि इस गाने के डांस स्टेप को अमिताभ बच्चन अपनी फिल्म में दोहरा चुके हैं। हाल ही में अमिताभ बच्चन ने टीवी शो ‘कौन बनेगा करोड़पति सीजन 18’ के एक खास एपिसोड में खुद इस बात का खुलासा किया। टीवी शो ‘कौन बनेगा करोड़पति सीजन 18’ के खास एपिसोड में माधुरी दीक्षित ने शिरकत की थी। शो के दौरान हुई हल्की-फुल्की बातचीत में अमिताभ ने माधुरी दीक्षित से कहा, ‘एक बार हमसे बड़ी गुस्ताखी हो गई थी। एक फिल्म में हमने आपके गाने ‘1, 2, 3’ के स्टेप को पीछे हटकर किया था।’ वहीं, माधुरी दीक्षित ने भी इस मौके पर अभिनेता के मजे लेते हुए उस क्लिप को दिखाने के लिए कहा, जिसके बाद शो की टीम ने पुरानी फुटेज दिखाकर अमिताभ को चौंका दिया। इस क्लिप में अमिताभ बच्चन 1989 की फिल्म ‘तूफान’ में ‘एक दो तीन’ का कॉमिक वर्जन करते नजर आ रहे हैं। क्लिप में अभिनेता कमर घुमाकर माधुरी दीक्षित के मशहूर डांस स्टेप्स को करने की कोशिश करते हैं। पुरानी फुटेज देखकर

अमिताभ हंस पड़े और उन्होंने मजाक में कहा, ‘अरे बाप रे, कहाँ-कहाँ से ये लोग निकालकर ला रहे हैं। किसी अच्छे गाने को खराब किस तरह से किया जाता है, वह इस क्लिप को देखकर पता चल रहा है।’ बता दें कि माधुरी दीक्षित का आइकॉनिक गाना ‘एक दो तीन’ साल 1988 की सुपरहिट फिल्म ‘तेजाब’ में फिल्माया गया था, जिसने उन्हें रातों-रात बॉलीवुड का सुपरस्टार बना दिया था। ‘एक दो तीन’ की सफलता ने उनके करियर को नई ऊंचाइयां दीं और उन्हें इंडस्ट्री की शीर्ष अभिनेत्रियों में ला खड़ा किया। सरोज खान द्वारा सिखाए गए इस गाने के डांस स्टेप्स और माधुरी के एनर्जेटिक अंदाज ने दर्शकों का दिल जीत लिया था। ‘एक दो तीन’ गाने में माधुरी दीक्षित ने में मोहिनी की भूमिका निभाई थी। अलका यागिनिक और

अमित कुमार द्वारा गाया गया और लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल द्वारा रचित यह गाना हिंदी सिनेमा के सबसे आइकॉनिक डांस नंबर में से एक बन गया। साल 2018 में आई फिल्म ‘बागी 2’ में इस गाने का रीकॉन्स्ट्रक्टेड वर्जन आया था, जिसमें जैकलीन फर्नांडिस ने परफॉर्म किया था।



‘वे मेरे को-स्टार, पड़ोसी और दोस्त थे’

● विनोद खन्ना को याद कर सिमी गरेवाल ने शेयर की पुरानी मेमोरी

मुंबई । बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता विनोद खन्ना की 80वीं जयंती पर फैंस ने सोशल मीडिया पर उनके पुराने फिल्मों के सीन और गाने शेयर कर उन्हें याद किया। इसी बीच एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स यूजर ने विनोद खन्ना और अभिनेत्री सिमी गरेवाल की फिल्म ‘हाथ की सफाई’ के लोकप्रिय गाने ‘वादा कर ले सजना’ की एक क्लिप शेयर की। इस वीडियो में दोनों कलाकार साथ नजर आ रहे हैं। पोस्ट को सिमी गरेवाल ने भी रीशेयर किया और विनोद खन्ना से जुड़ी अपनी खास याद को फैंस के साथ साझा किया। यूजर ने वीडियो शेयर करते हुए सिमी गरेवाल को टैग किया और लिखा, ‘‘सिमी गरेवाल मैम, आपके को-स्टार विनोद खन्ना अगर जिंदा होते, तो 80 साल के होते। आप दोनों की यह एक शानदार याद है।’’ इस पोस्ट ने रीशेयर करते हुए सिमी गरेवाल ने विनोद खन्ना के साथ अपने रिस्ते को याद किया। उन्होंने लिखा, ‘‘धन्यवाद! मुझे उनकी याद आती है। विनोद मेरे को-स्टार, मेरे पड़ोसी और मेरे दोस्त थे।’’ बता दें कि विनोद खन्ना और सिमी गरेवाल ने 1974 में रिलीज हुई फिल्म ‘हाथ की सफाई’ में साथ काम किया था। फिल्म का निर्देशन प्रकाश मेहरा ने किया था, जबकि इसकी कहानी सलीम-जावेद की जोड़ी ने लिखी थी। फिल्म में विनोद



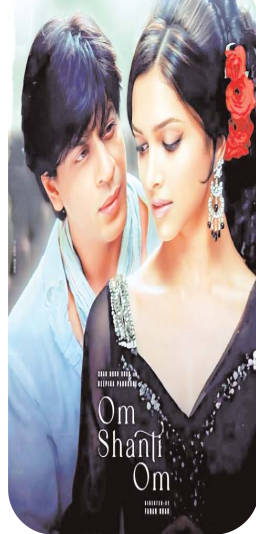
खन्ना और सिमी गरेवाल के अलावा हेमा मालिनी और रणधीर कपूर भी अहम भूमिकाओं में नजर आए थे। ‘हाथ की सफाई’ एक क्राइम-ड्रामा फिल्म थी, जिसमें दो भाइयों की कहानी दिखाई गई थी, जो बचपन में एक-दूसरे से बिछड़ जाते हैं। विनोद खन्ना ने फिल्म में शंकर का किरदार निभाया था, जो आगे चलकर कुमार साहब के नाम से अपराध की दुनिया में पहुंच जाता है। वहीं रणधीर कपूर ने राजू का किरदार निभाया था, जो अलग परिस्थितियों में बड़ा होकर जेबकतरे का काम करने लगता है। कहानी आगे बढ़ने के साथ दोनों भाइयों की जिंदगी एक-दूसरे से दोबारा जुड़ती है। फिल्म में सिमी गरेवाल ने रोमा का किरदार निभाया था, जो शंकर की पत्नी हैं। हेमा मालिनी ने कामिनी का किरदार निभाया था। उस दौर की फिल्मों की तरह इसमें भी एक्शन, इमोशन और रोमांस देखने को मिलता था। ‘हाथ की सफाई’ का संगीत कल्याणजी-आनंदजी ने तैयार किया था और इसके गाने गुलशन बाबरा ने लिखे थे। फिल्म का सबसे चर्चित गाना ‘वादा कर ले सजना तेरे बिना’ रहा, जिसे मोहम्मद रफी और लता मंगेशकर ने अपनी आवाज दी थी। यह गाना आज भी लोगों के बीच काफी लोकप्रिय है।

सर्जरी के बाद बालकृष्ण की दमदार वापसी, मैसूर में फिर शुरू की ‘दादा’ की शूटिंग

हैदराबाद । तेलुगु सिनेमा के सुपरस्टार नंदमुरी बालकृष्ण ने अपनी अपकमिंग एक्शन फिल्म ‘दादा’ की शूटिंग फिर से शुरू कर दी है। गोपीचंद मल्लिनेनी के निर्देशन में बन रही इस फिल्म की शूटिंग इन दिनों कर्नाटक के मैसूर में चल रही है। कुछ समय पहले एक एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग के दौरान बालकृष्ण को चोट लग गई थी, जिसके बाद उन्हें सर्जरी करानी पड़ी और कुछ समय के लिए शूटिंग से ब्रेक लेना पड़ा था। अब पूरी तरह ठीक होने के बाद उन्होंने दोबारा फिल्म के सेट पर वापसी कर ली है। बालकृष्ण के मौजूदा शेड्यूल में डायलॉग और दूसरे अहम सीन शूट किए जाएंगे। इस दौरान उनके साथ फिल्म के कई दूसरे प्रमुख कलाकार भी शूटिंग में हिस्सा लेंगे। मेकर्स इस शेड्यूल में फिल्म के कई जरूरी सीक्वेंस को पूरा करने की तैयारी में हैं, इसलिए प्रोडक्शन के लिहाज से इसे काफी अहम माना जा रहा है। दरअसल, फिल्म की शूटिंग के दौरान बालकृष्ण को एक ड्रेंस एक्शन सीन करते हुए मांसपेशियों में हल्की चोट लग गई थी। उन्हें माइनर मसल टियर हुआ था। इसके बाद डॉक्टरों की सलाह पर उन्हें छोटी सर्जरी करानी पड़ी। फिल्म के प्रोडक्शन हाउस, वुडि सिनेमाज, ने उस समय सोशल मीडिया पर एक बयान जारी कर बालकृष्ण की चोट की जानकारी दी थी। उसने अपने बयान में कहा था कि सिनेमा के प्रति बालकृष्ण की मेहनत, अनुशासन और जुनून सेट पर मौजूद पूरी टीम के लिए प्रेरणा है। उनकी सर्जरी सामान्य प्रक्रिया है और चिंता की कोई बात नहीं है। अब मेकर्स की ओर से पुष्टि की गई है कि अभिनेता पूरी तरह ठीक हो चुके हैं और उन्होंने शूटिंग पर वापसी कर ली है। ‘दादा’ को वेंकट सतीश किलारु वुडि सिनेमाज के बैनर तले प्रोड्यूस कर रहे हैं।



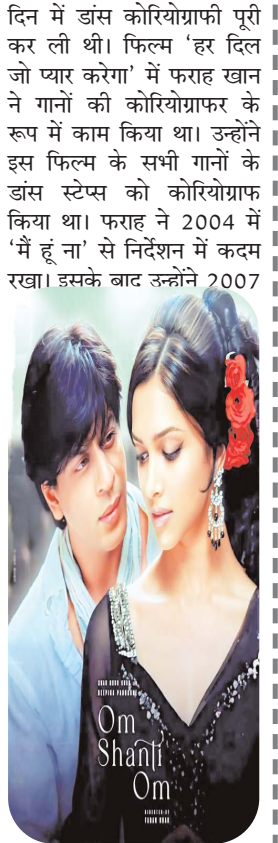
की ब्लॉकबस्टर ‘ओम शांति ओम’ का भी निर्देशन किया था। इसके बाद फराह ने 2010 में ‘तिस मार खान’ और 2014 में ‘हैप्पी न्यू ईयर’ का निर्देशन किया। उन्होंने 80 से ज्यादा फिल्मों के 100 से ज्यादा गानों को कोरियोग्राफ किया है और बेस्ट कोरियोग्राफी के लिए नेशनल फिल्म अवॉर्ड भी जीता है।



ओम शांति ओम’ से ‘1942: अ लव स्टोरी तक, फराह खान ने दिखाई बिहाइंड-द-सीन्स झलक



मुंबई । मशहूर निर्देशक और कोरियोग्राफर फराह खान सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। बुधवार को उन्होंने अपनी कुछ फिल्मों की झलकियां शेयर कीं, जिनमें ‘हर दिल जो प्यार करेगा’, ‘दिल से’ और ‘ओम शांति ओम’ जैसी फिल्में शामिल हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कुछ बिहाइंड-द-सीन्स की झलकियां शेयर कीं, जिसमें फिल्म ‘1942: अ लव स्टोरी’ के गाने ‘दिल से’ और ‘छैया छैया’, फिल्म ‘हर दिल जो प्यार करेगा’ और ‘ओम शांति ओम’ जैसी फिल्में हैं। फराह खान ने इस पोस्ट को एक मजेदार गेम बनाते हुए अपने फैंस से तस्वीरों को देखकर फिल्मों के नाम पहचानने को कहा। फराह खान ने लिखा, ‘‘कुछ पुरानी झलकियाँ। क्या आप तस्वीरों को देखकर फिल्मों के नाम पहचान सकते हैं?? जवाब तस्वीरों में ही छिपा है। ‘ फराह ने ‘1942: अ लव स्टोरी’ के गाने ‘कुछ ना कहो’ के लिए मनीषा कोइराला को कोरियोग्राफ किया था। इसमें अनिल कपूर, मनीषा कोइराला और जैकी श्राफ के साथ डैनी डेजोगपा, अनुपम खेर, प्राण और ब्रायन ग्लोवर ने भी काम किया था। फराह ने ‘दिल से’ फिल्म के ‘छैया छैया’ गाने को भी कोरियोग्राफ किया था, जिसमें शाहरुख खान के साथ मलाइका अरोड़ा नजर आई थीं। इस गाने को चलती ट्रेन की छत पर शूट किया गया था। फराह ने इस गाने को सिर्फ साढ़े चार





ब्रिस्बेन ,एजेंसी। स्टार ऑलराउंडर एलिस पेरी ने बुधवार को घरेलू सीजन में ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम के कम मैचों वाले शेड्यूल पर निराशा जताई है। उन्होंने कहा कि सबसे अहम महीनों में इंटरनेशनल मैच न होना दुःखद है। दुनिया की नंबर-1

फैंस के सामने खेलने के मौके कम मिलते हैं’,ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम के घरेलू सीजन के शेड्यूल से निराश पेरी

वनडे और टी20 टीम ऑस्ट्रेलिया अगले दो हफ्तों में कुल छह सीमित ओवरों के मैच खेलेगी। टीम पहले बांग्लादेश के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज खेलेगी और उसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टी20 मैच खेलेगी। हालांकि, इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम को लगभग पांच महीने तक घरेलू मैदान पर कोई इंटरनेशनल मैच नहीं खेलना है। इसका मतलब है कि मार्च तक ऑस्ट्रेलिया में क्रिकेट फैंस को अपनी टीम को घरेलू सीजन के दौरान इंटरनेशनल मुकाबले खेलते हुए देखने का मौका नहीं मिलेगा। एलिस पेरी ने शुक्रवार

को बांग्लादेश के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के शुरुआती वनडे से पहले ब्रिस्बेन में पत्रकारों संग बात करते हुए कहा, ‘मुझे लगता है कि इस समय हर कोई शेड्यूल के नजरिए से चुनौती महसूस कर रहा है कि हम शायद इस गर्मी के सबसे अहम महीनों में नहीं खेल पा रहे हैं, जब लोग सच में क्रिकेट से जुड़े होते हैं। बच्चों की छुट्टियां होती हैं, लोग काम से छुट्टी पर होते हैं, तो हां, निश्चित रूप से एक चुनौती है, क्योंकि हमारी टीम काफी सफल रही है और हमें देश भर के फैंस से कुछ समर्थन मिला है। ‘ जहां ऑस्ट्रेलियाई महिला

टीम के लिए घरेलू समर सीजन में कम मैच हैं, वहीं पुरुष राष्ट्रीय टीम का कैलेंडर बहुत व्यस्त है, जिसमें 12 इंटरनेशनल मैच शामिल हैं। इसमें 13 नवंबर से इंग्लैंड के खिलाफ तीन वनडे और पांच टी20 इंटरनेशनल मैच शामिल हैं, और उसके बाद 9 दिसंबर से 8 जनवरी तक न्यूजीलैंड के खिलाफ चार टेस्ट मैचों की सीरीज होगी। एलिस ने माना कि खिलाड़ियों का कार्यक्रम काफी व्यस्त हो गया है। उन्होंने कहा कि महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) और भारत की महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) जैसे फ्रेंचाइजी

टूर्नामेंटों की वजह से इंटरनेशनल मैचों का शेड्यूल बनाना और भी मुश्किल हो गया है। उनके मुताबिक, इन लीगों के बढ़ते महत्व के कारण बोर्डों को खिलाड़ियों के कार्यभार और टूर्नामेंटों के समय का संतुलन बनाए रखने में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा, ‘हमें अपने फैंस के सामने खेलने के काफी मौका नहीं मिल पाते हैं क्योंकि शेड्यूल बहुत व्यस्त होता है। हालांकि, उम्मीद है कि कम से कम महिलाओं के खेल में हम घरेलू मैदान पर खेलने के और मौके बना पाएंगे। ‘ बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की वनडे



मैड्रिड,एजेंसी। स्पेन ने क्रोएशिया को 2-1 से हराकर नेशंस लीग फुटबॉल क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी है। स्पेन ने एक रोमांचक मुकाबले में क्रोएशिया को 2-1 से हराया। इस मैच में एक

बचाव किए, उन्होंने जोसिप स्टैनिस्कि और बाद में इगोर मयानोविच के प्रयासों को नाकाम किया। हालांकि, 20वें मिनट में इवान पेरिसिच ने रिबाउंड पर गोल कर एक गोल दागते हुए

स्पेन ने क्रोएशिया को हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया

गोल से पिछड़ने के बाद स्पेन ने अच्छी वापसी करते हुए अपने लगातार 42 मैचों से अजेय रहने के सिलसिले को बरकरार रखा है। इस जीत के साथ स्पेन ने अपने चारों ग्रुप मैचों में जीत हासिल कर लीग के अगले दौर में अपनी स्थिति बेहतर कर ली है। मैच की शुरुआत में ही स्पेन ने गेंद पर कब्जे का प्रयास करना प्रारंभ कर दिया। क्रोएशिया ने भी पहले हाफ में अच्छी टक्करी दी। स्पेन के गोलकीपर उनाई सिमोन ने मैच की शुरुआत से ही कई शानदार

क्रोएशिया को 1-0 की बढ़त दिला दी। वहीं स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएते ने हाफ-टाइम में एलेक्स बाएना की जगह मेरिनो को मैदान पर उतारा, और यह बदलाव सफल रहा। मेरिनो ने 60वें मिनट में दानी ओल्मो के एक बेहतरीन पास पर गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर किया। इस गोल से पहले भी क्रोएशिया के गोलकीपर डेमिनिक लिवाकोविच ने यमल के एक प्रयास को नाकाम किया था। मैच के 78वें मिनट में, रोड्री की जगह मैदान पर आए मार्टिन जुबिमेंडी की एक गलती से पेरिसिच को मौका मिला, लेकिन साइमन ने एक बार फिर शानदार बचाव किया। एक मिनट बाद, मार्क कुकुरेला पर पीछे से खतरनाक तरीके से हमला करने के कारण पेरिसिच को दूसरा पीला कार्ड मिला और उन्हें मैदान से बाहर भेज दिया गया, जिससे क्रोएशिया 10 खिलाड़ियों पर सिमट गई। कमजोर पड़ती क्रोएशियाई टीम के खिलाफ, मेरिनो ने 88वें मिनट में जुबिमेंडी से मिले पास को लेकर, घूमते हुए टॉप कॉर्नर में शानदार शॉट मारा और स्पेन को 2-1 की निर्णायक बढ़त दिला दी, जिससे टीम की क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की हो गई। इसमें मेरिनो के दो गोल और गोलकीपर उनाई सिमोन के बेहतरीन बचावों की अहम भूमिका रही।

सीनियर पुरुष टीम के सिलेक्शन की बैठकों में लक्ष्मण की मौजूदगी अब आम बात होगी: देवजीत सैकिया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) के हेड वीवीएस लक्ष्मण का सीनियर पुरुष राष्ट्रीय सिलेक्शन कमेटी की बैठकों में शामिल होना अब आगे से एक नियम बन जाएगा। उन्होंने बताया कि यह फैसला पिछले महीने मुंबई में हुए हेडक्वार्टर में एक व्यापक रिव्यू मीटिंग के दौरान लिया गया था। मंगलवार शाम को

सैकिया ने बुधवार को ‘आईएनएस’ को बताया, ‘वीवीएस लक्ष्मण



बीसीसीआई ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर एक तस्वीर शेयर की, जिसमें लक्ष्मण को गुवाहाटी के एसीए स्टेडियम में हुई सीनियर पुरुष टीम की सिलेक्शन मीटिंग में देखा गया। इस मीटिंग में सैकिया के अलावा सीनियर पुरुष सिलेक्शन पैनल के सदस्य प्रज्ञान ओझा, एसएस दास, अजय रात्रा और आरपी सिंह भी शामिल थे। वे न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज और न्यूजीलैंड ए के खिलाफ तीन मैचों की रेंड-बॉल ए सीरीज के लिए भारतीय टीम चुनने के लिए इकट्ठा हुए थे।

मंगलवार की मीटिंग में इसलिए मौजूद थे ताकि टीम चुनते समय सिलेक्टर्स और सीओई के बीच कोई गलतफहमी न हो। वह बेंगलुरु में बीसीसीआई सीओई में क्रिकेट के हेड हैं और अब से वह सीनियर पुरुष टीम की सिलेक्शन की सभी बैठकों में शामिल होंगे। उन्हें खिलाड़ियों की चोटों के बारे में पूरी जानकारी है, और किसी भी गलतफहमी से बचने के लिए लक्ष्मण को आगे पुरुष टीम की सिलेक्शन बैठकों में शामिल होना चाहिए। यह फैसला पिछले महीने मुंबई में हुई रिव्यू मीटिंग के बाद लिया गया था।

कार्तिक बोले, अब शमी से आगे बढ़ी टीम युवा गेंदबाजों पर ही ध्यान दें

विराट और रोहित खेलना जारी रखें

मुम्बई,एजेंसी। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने कहा है कि अब भारतीय टीम में अनुभवी गेंदबाज मोहम्मद शमी की वापसी संभव नहीं है। कार्तिक के अनुसार टीम इंडिया अब शमी से आगे बढ़ गयी है। ऐसे में हमें युवा गेंदबाजों पर ही अपना भरोसा बनाये रखना चाहिये। शमी ने अपना पिछला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला मार्च 2025 में खेला था। उसके बाद से ही वह टीम से बाहर चल रहे हैं। वह लगातार घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं पर इसके बाद भी टीम में उनकी वापसी नहीं हो रही है जबकि कई क्रिकेट विशेषज्ञ और प्रशंसक उन्हें फिर से टीम में शामिल करने की मांग करते रहे हैं। इसी को लेकर कार्तिक ने कहा है कि अब मोहम्मद शमी को राष्ट्रीय टीम में वापस लाने का कोई मतलब नहीं है, क्योंकि भारतीय टीम उनसे आगे बढ़ चुकी है और अब दूसरे गेंदबाजों की तरफ देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि चयनकर्ताओं को अब अन्य उभरते हुए तेज गेंदबाजों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। कार्तिक के शब्दों में, मुझे लगता है कि वहां और भी गेंदबाज हैं। भारत उनसे आगे बढ़ चुका है। वापस जाने का कोई मतलब नहीं है। मैं शमी की तरफ नहीं देख रहा हूं, भले ही उन्होंने शानदार गेंदबाजी की है। यह बयान शमी के प्रशंसकों के लिए निश्चित रूप से निराशाजनक हो सकता है, जो उनकी प्रभावशाली घरेलू फॉर्म को देखते हुए टीम में उनकी वापसी की उम्मीद कर रहे थे जहां एक ओर कार्तिक ने मोहम्मद शमी की वापसी को सिर से खारिज कर दिया, वहीं उन्होंने टीम के दो सबसे बड़े स्तंभों, विराट कोहली और रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर बिल्कुल विपरीत राय रखी। कार्तिक का मानना है कि इन दोनों दिग्गज खिलाड़ियों को खेलना जारी रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोहली और रोहित सिर्फ भारतीय टीम के लिए ही नहीं, बल्कि विश्व क्रिकेट के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण हैं। उनके अनुसार, हां, वो दो सबसे बड़े नाम हैं और भारत वर्ल्ड क्रिकेट का केंद्र है, इसलिए अगर हम दो बेहतरीन क्रिकेटरों को खो देते हैं, तो इसका असर जरूर पड़ेगा। यह दर्शाता है कि कार्तिक अनुभवी बल्लेबाजों के महत्व को स्वीकार करते हैं, जबकि गेंदबाजी विभाग में नए चेहरों को मौका देने की वकालत कर रहे हैं। माना जा रहा है कि कार्तिक के इस बयान के पीछे, संभवतः इन दोनों बल्लेबाजों की हालिया प्रभावशाली फॉर्म भी एक कारण हो सकती है। विराट कोहली ने हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ खे्ली गई तीन मैचों की वनडे सीरीज में अपनी बल्लेबाजी का जोहर दिखाया था। सीरीज के पहले मुकाबले में उन्होंने नाबाद 139 रनों की शानदार पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई थी। इसके बाद दूसरे वनडे में उन्होंने 29 रन बनाए थे,

हालांकि तीसरे मुकाबले में वह बिना खाता खोले आउट हो गए थे, लेकिन उनकी ओवरऑल फॉर्म सराहनीय रही है। हिटमैन के लिए यह सीरीज बेहद शानदार रही, जहां उन्होंने एक शतक और एक अर्धशतक की मदद से तीन मैचों में क्रमशः 32, 101 और 92 रन बनाए थे। उनकी कप्तानी और बल्लेबाजी दोनों ने टीम को मजबूती प्रदान की।

मंधाना की कप्तानी की पहली परीक्षा जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज में होगी

अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर मेसी ने खेल को अलविदा कहा

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की नई कप्तान बनी बल्लेबाज स्मृति मंधाना की पहली परीक्षा जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली सफेद गेंद सीरीज से शुरू होगी। यह नियुक्ति भारतीय महिला क्रिकेट में एक नए युग की शुरुआत का संकेत देती है, खासकर भविष्य की नेतृत्वकर्ता तैयार करने की रणनीति के तहत। मंधाना, 2013 से भारतीय टीम से खेल रही हैं, उनके के पास कप्तानी का अच्छा-खासा अनुभव मौजूद है। उन्होंने पहले भी विभिन्न प्रारूपों में टीम की अगुवाई की है और उपकप्तान के तौर पर हरमनप्रीत कौर के साथ मिलकर लंबे समय तक काम किया है। उनके कप्तानी के रिकॉर्ड पर नजर डालें तो यह बेहद प्रभावशाली रहा है, जिससे उनकी नेतृत्व क्षमताओं का स्पष्ट प्रदर्शन होता है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, मंधाना ने एकदिवसीय और टी20 इंटरनेशनल

प्रकाशक, मुद्रक एवम संपादक दीप्ति दुबे
द्वारा ए 1470, सेक्टर आई, एल.डी.ए. कालोनी, कानपुर रोड लखनऊ 226012 से प्रकाशित व तानु आफसेट, लालकुआं लखनऊ से मुद्रित। समस्त विवादों को लखनऊ की सक्षम अदालतों में निपटया जायेगा।

टेलीफैक्स : 0522.3564414
फोन: 919839666352
आर.एन.आई.:
UPHIN/2004/18844
डाकपंजीयन :-
जी-2 / न्यूज पेपर / 59 / 2004-5
E-mail:
lokhashtakshesh@gmail.com
संपादक : दीप्ति दुबे
स्थानीय संपादक : अजेय अजय
संपादकीय सलाहकार: राधाकृष्ण मिश्र



मंधाना ने अपनी कप्तानी साबित की है। उन्होंने (आरसीबी) को दो बार अपनी कप्तानी में चैंपियन बनाया है, जो उनकी रणनीतिक कौशल और दबाव में प्रदर्शन करने की क्षमता का प्रमाण है। डब्ल्यूपीएल में उन्होंने आरसीबी के 35 मैचों में कप्तानी की है, जिसमें से टीम को 18 में जीत और 17 में हार मिली है। यह आंकड़ा बताता है कि उनके पास विभिन्न हालातों में टीम को संभालने का व्यापक अनुभव है। मंधाना बतौर कप्तान अपने पहले कार्यकाल का आगाज जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज से करेंगी, जिसकी शुरुआत 16 अक्टूबर से होगी। इस सीरीज के अन्य मुकाबले 18 और 20 अक्टूबर को खेले जाएंगे। इसके बाद, तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज का आगाज 23 अक्टूबर से होगा। इस महत्वपूर्ण श्रृंखला के लिए, टी20 में शैफाली वर्मा को उपकप्तान नियुक्त किया गया है, जबकि वनडे प्रारूप में दीप्ति शर्मा यह जिम्मेदारी संभालेंगी। यह बदलाव भारतीय महिला क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

व्यूनस आयर्रै,एजेंसी। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने बेनिन के खिलाफ अपना अंतिम अंतराष्ट्रीय मुकाबला खेलने के साथ ही खेल को अलविदा कहा दिया है। इसी के साथ ही मेसी के 21 सालों का खेल सफर यहीं थम गया। वह अपने पीछे एक ऐसी विरासत छोड़कर गये हैं जिसकी बाखरी शायद ही कभी कोई कर सके। इसलिए यह क्षण उन लाखों प्रशंसकों के लिए भावुक था जिन्होंने मेसी को खेल के मैदान पर जादू बिखरेते देखा है, और एक युग के अंत का प्रतीक है। गौरतलब है कि साल 2005 में अर्जेंटीना के लिए अंतराष्ट्रीय फुटबॉल में डेब्यू करने वाले मेसी के शुरुआती करियर में उतार-चढ़ाव भरे रहे। साल 2008 में बीजिंग ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा बनने के बाद भी, उन्हें 2014 फीफा विश्व कप और कोपा अमेरिका फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। इन असफलताओं और खेल पर उठते सवालों के बीच ही सला 2016 में उन्होंने खेल से दूर होने की भी घोषणा कर दी थी पर प्रशंसकों और अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन के अधिकारियों द्वारा समझाने के बाद वे खेल में लौट गये। इसके बाद उनके स्वर्णिम युग की शुरुआत हुई।

वापसी के बाद मेसी ने अर्जेंटीना को नए शिखर पर पहुंचाया। उनकी कप्तानी में टीम ने 2021 में ब्राजील को हराकर कोपा अमेरिका का खिताब जीता, जो उनके करियर का पहला बड़ा अंतराष्ट्रीय खिताब था। फिर 2022 उनके करियर का सबसे यादगार साल बना, जब उन्होंने फ्रांस के खिलाफ एक रोमांचक फाइनल में अपनी टीम को फीफा विश्व कप जिताया

और गोल्डन बॉल अवॉर्ड भी जीता। वहीं साल 2024 में, उन्होंने अर्जेंटीना को लगातार दूसरी बार कोपा अमेरिका का खिताब दिलाया, जिससे कप्तान के तौर पर उनके खाते में कुल चार बड़े अंतराष्ट्रीय खिताब आ गये।

मेसी ने साल 2026 फीफा विश्व कप में हिस्सा लेकर एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। 39 साल की उम्र में यह उनका छठा विश्व कप था, जिससे वह संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा बार विश्व कप खेलने वाले खिलाड़ी बने। इस टूर्नामेंट में उनका दमदार प्रदर्शन भी देखने को मिला और उन्होंने विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने के साथ-साथ सर्वाधिक मैच जीतने का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। हालांकि, वह अपनी कप्तानी में अर्जेंटीना को लगातार दूसरी बार फीफा विश्व कप का खिताब नहीं दिला सके।

अपने शानदार इंटरनेशनल करियर में, मेसी ने कुल 208 मैच खेले, जिसमें उन्होंने 126 गोल दागे और 68 असिस्ट भी किए। व य ि त ग त उपलब्धियों की बात करें तो मेसी ने

फुटबॉल जगत में अनूठे रिकॉर्ड स्थापित किए हैं। वह एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने दो बार (2014 और 2022) फीफा विश्व कप गोल्डन बॉल का पुरस्कार जीता है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने रिकॉर्ड 8 बार बैलन डीओर और 6 बार यूरोपीय गोल्डन शू का खिताब भी अपने नाम किया।



भूमि नीति पर हरियाणा और सिंगापुर सरकार के अधिकारियों ने किया मंथन

नायब सैनी ने पंजाब और हरियाणा मूल के उद्यमियों को आमंत्रित किया

राजेंद्र सिंह जादीन
चंडीगढ़। सिंगापुर में हरियाणा सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल ने सिंगापुर सरकार के सिंगापुर कॉर्पोरेशन एंटरप्राइज के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विस्तृत बैठक कर मिक्सड लैंड यूज नीति तथा लैंड प्राइसिंग से संबंधित सर्वोत्तम प्रथाओं और अनुभवों का आदान-प्रदान किया। इस बैठक से हरियाणा में नई सरकारी परियोजनाओं के लिए महत्वपूर्ण नीतिगत निहितार्थ सामने आए हैं। विशेष रूप से एचएसआईआईडीसी एवं विभिन्न औद्योगिक संपदाओं में भूमि पट्टे की बेहतर एवं अधिक प्रभावी नीति बनाने तथा ग्रहग्राम शहर में टाउनशिप विकास को और

अधिक व्यवस्थित एवं आधुनिक बनाने की दिशा में सकारात्मक दिशा मिलेगी।इस बैठक का उद्देश्य प्रबंधन, औद्योगिक विकास तथा शहरी नियोजन से जुड़ी अपनी नीतियों को और अधिक पारदर्शी, निवेशक-अनुकूल एवं दीर्घकालिक दृष्टि से मजबूत बनाना और प्रदेश में विकास के लिए एक अनुकूल माहौल तैयार करना है।मुख्यमंत्री नायब सैनी ने पंजाब और हरियाणा मूल के सिंगापुर के उद्यमियों को चंडीगढ़ स्थित अपने सरकारी आवास संत कबीर कुटीर आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ सिंगापुर में पंजाब और हरियाणा मूल के प्रमुख उद्योगपतियों एवं व्यावसायिक प्रतिनिधियों की

महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रवासी भारतीय समुदाय के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि विदेशों में अपनी मेहनत, प्रतिभा और उद्यमशीलता के बल पर भारतीय समुदाय देश का गौरव बढ़ा रहा है। सिंगापुर जैसे आधुनिक और विश्व के प्रमुख व्यापारिक केंद्र में भारत का परचम लहराने वाले प्रवासी भारतीयों के पुरुषार्थ पर पूरे देश को गर्व है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रवासी भारतीयों का वैश्विक स्तर पर प्राप्त अनुभव और विशेषज्ञता भारत के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्होंने उद्योगपतियों से हरियाणा में निवेश की संभावनाओं का लाभ उठाने तथा प्रदेश की

विकास यात्रा में सहभागी बनने का आह्वान किया। नायब सिंह सैनी ने कहा कि सिंगापुर ने सीमित भौगोलिक क्षेत्र और संसाधनों के बावजूद दूरदर्शी आर्थिक नीतियों, बेहतर आधारभूत ढांचे, सुशासन और कानून-व्यवस्था के बल पर स्वयं को विश्व के प्रमुख व्यापारिक एवं आर्थिक केंद्र के रूप में स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा भी निवेशकों को बेहतर कानून-व्यवस्था, आधुनिक बुनियादी ढांचा, सुशासन और उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने पिछले वर्षों में विकास की नई

ऊंचाइयों हासिल की हैं और आज देश विकसित भारत के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों ने देश में निवेश, बुनियादी ढांचे, रोजगार और उद्यमिता के लिए नए अवसर पैदा किए हैं।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में करतारपुर कॉरिडोर का निर्माण एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिसने श्रद्धालुओं की लंबे समय से चली आ रही आकांक्षा को पूरा किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार ने भी सिख विरोधी दंगों के पीड़ित परिवारों के हित में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए उन्हें सरकारी नौकरी प्रदान करने का कार्य किया है।

किसानों के रोड जाम करने पर ही शुरू हुई जींद जिले की अलेवा मंडी में धान की खरीद

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार के प्रदेश की मंडियों में 29सितंबर से धान की खरीद शुरू कर देने के दावे खोखले साबित हो रहे हैं। जींद जिले के अलेवा मंडी में धान की खरीद नहीं होने पर बुधवार को किसान भड़क गए। किसानों ने जेसीबी और ट्रैक्टर-ट्राली खड़ी कर जींद- असंध रोड पर अलेवा में मुख्य चौराहे पर जाम लगा दिया। जाम की सूचना के बाद अलेवा पुलिस मौके पर पहुंची। किसानों के नहीं मानने पर पहले नायब तहसीलदार और फिर उच्चाा एसडीएम सुमन यादव मौके पर पहुंची। किसानों से बातचीत के बाद एसडीएम ने मंडी में धान की खरीद शुरू करवाई। जाम के चलते सड़क पर दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई। जाम के दौरान किसानों ने सरकार और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। किसानों के रोड जाम करने की सूचना के बाद उच्चाा एसडीएम सुमन यादव मौके पर पहुंची। किसानों से बातचीत के बाद उन्होंने अलेवा मंडी में धान की खरीद शुरू करवाई। हालांकि किसान फिर भी रोड पर बैठे रहे। किसानों की मांग पर अलेवा के नायब तहसीलदार आंकार दत्त शर्मा किसानों से बातचीत के लिए पहुंचे। किसान धान खरीद शुरू करने की मांग पर अड़े रहे। किसानों ने मंगलवार को अलेवा अनाज मंडी में धरना देकर ज्ञापन सौंप था। जिसमें किसानों ने बुधवार को 11 बजे तक पीआर धान की खरीद नहीं होने पर रोड जाम करने की चेतावनी दी थी। बुधवार को निर्धारित समय तक जब धान की खरीद शुरू नहीं हुई, तो किसान जेसीबी और ट्रैक्टर-ट्राली लेकर जींद-असंध रोड पर पहुंच गए। किसानों ने जेसीबी और ट्रैक्टर ट्राली खड़ी करने के साथ अवरोधक लगाकर रोड जाम कर दिया। किसानों ने कामरेड प्रताप नंबरदार अलेवा की अगुवाई में रोड जाम किया। उन्होंने कहा कि किसान पिछले कई दिनों से मंडी में पीआर धान लेकर आ रहे हैं। खरीद नहीं होने से किसान फसलों के साथ मंडी में ही रहने को विवश हो रहे हैं। अधिकारियों से कई बार धान खरीद शुरू करने की मांग की, परंतु कोई सुनवाई नहीं कर रहे हैं। हमने मंगलवार को अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा था। जिसमें बुधवार 11 बजे तक धान खरीद नहीं होने पर रोड जाम की चेतावनी दी थी। बुधवार को धान की खरीद शुरू नहीं होने पर हमें रोड जाम करने का विवश होना पड़ा।

कानोड़िया पीजी महिला महाविद्यालय में ‘फेस्टिव स्पार्क’ वर्कशॉप, कला, पर्यावरण और वाक् कौशल से जुड़ी छात्राएं

जयपुर,एजेंसी। कानोड़िया पी.जी. महिला महाविद्यालय, जयपुर के सुकृति आर्ट एंड क्राफ्ट क्लब द्वारा ‘फेस्टिव स्पार्क’ दिवाली डेकोरेशन वर्कशॉप का आयोजन दिनांक 7 अक्टूबर 2026 को दिवाली में रचनात्मकता, भारतीय परंपरा एवं कलात्मक साज-सज्जा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया गया। कार्यशाला का संचालन प्रमाणित लिपन आर्ट विशेषज्ञ अनुराधा माथुर तथा राइनस्टोन आर्ट विशेषज्ञ भव्या एवं श्रेया द्वारा किया गया। कार्यशाला के दौरान छात्राओं को क्ले, रंगीन शीशों (मिरर) आदि के रचनात्मक उपयोग से लिपन आर्ट तैयार करने तथा राइनस्टोन के माध्यम से कैनवास को आकर्षक रूप देने का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य छात्राओं में रचनात्मकता, कलात्मक अभिव्यक्ति एवं हस्त कौशल को विकसित करने के साथ-साथ लिपन आर्ट और राइनस्टोन वर्क जैसी पारंपरिक एवं आधुनिक कला तकनीकों में व्यावहारिक दक्षता प्रदान करना था। साथ ही, इस पहल के माध्यम से छात्राओं को त्योहारों के अवसर पर स्वयं हस्तनिर्मित सजावटी उत्पाद तैयार करने तथा रचनात्मकता को उद्यमिता से जोड़ने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यशाला में कुल 40 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।‘नेचर क्लब’ के तत्वावधान में एक विशेष जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। सत्र का मुख्य विषय ‘संरचना के रूप में प्रकृति: टिकाऊ परिसरों के लिए पौधों पर आधारित समाधान’ रहा। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सीमा

अग्रवाल के मार्गदर्शन एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता से प्रेरित इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता तथा सतत जलनशीली के प्रति जागरूकता विकसित करना रहा। सत्र के दौरान मुख्य वक्ता डॉ. रीमा श्रीवास्तव ने पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता के संवर्धन तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने पौधों को केवल परिसर की सुंदरता बढ़ाने का माध्यम न मानकर प्राकृतिक अवसंरचना के रूप में विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही, छात्राओं को अपने दैनिक जीवन में छोटे-छोटे पर्यावरण-अनुकूल कदम अपनाने तथा परिसर को हरित एवं स्वच्छ बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की 25 छात्राओं के साथ विभिन्न संकायों के फैकल्टी सदस्यों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की। सत्र ने छात्राओं में पर्यावरणीय चेतना, प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता तथा सतत विकास के प्रति जिम्मेदारी की भावना को और मजबूत किया। अभिव्यक्ति क्लब के अंतर्गत ‘आओ अनुभव से सीखें’ संवाद सत्र का आयोजन किया गया । इसमें वाद विवाद और मंच संचालन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली क्लब की सदस्य छात्राओं ने अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सीमा अग्रवाल ने छात्राओं को संबोधित करते हुए वाक् कौशल को निखारने के लिए प्रेरित किया। इस पतिविधि में वक्ता के रूप में छात्रा कशिश गौड़ ने बताया कि प्रभावी मंच संचालन



करने के लिए भाषा का ज्ञान और आत्मविश्वास जरूरी है तथा छात्रा हर्षिता शर्मा ने वाद विवाद प्रतियोगिताओं में ध्यान रखने योग्य बातें बताई और सही तर्क के साथ अपना पक्ष रखना सिखाया। वहीं छात्रा याशिका लालवानी ने बताया कि अभ्यास से ही आत्मविश्वास आता है और साथी छात्राओं को प्रेरित किया कि हार कर रुक जाने से कभी सफलता नहीं मिलती। इस संवाद सत्र में छात्राओं ने कुछ प्रश्न भी पूछे जिनका समाधान वरिष्ठ छात्राओं ने किया और भविष्य में क्लब की गतिविधियों में सक्रिय रहने के लिए प्रोत्साहित किया ।मंच संचालन छात्रा स्वालिया सुल्ताना ने किया। क्लब संयोजक (अंग्रेजी) डॉ स्वाति धनवानी एवं संयोजक (हिंदी)डॉ धर्मा यादव के साथ सदस्य प्राध्यापिका डॉ स्वाति सुलतानिया, डॉ सुरभि शर्मा, डॉ निमिषा गौड़ ,डॉ शिप्रा गोयल और डॉ स्वाति सिंह की भी इस आयोजन में सक्रिय सहभागिता रही।

आवश्यकता है

वाराणसी, लखनऊ और नई दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी दैनिक ‘लोक हस्तक्षेप’ के लिए आवश्यकता है महिला एवं पुरुष विज्ञापन प्रतिनिधियों की ।



विज्ञापन के क्षेत्र में अनुभवी व फ्रेशर भी आवेदन कर सकते हैं।



सम्पूर्ण विवरण सहित आवेदन करें।



lokhastakshepcorp@gmail.com



WhatsApp : 9839666352

लोक हस्तक्षेप

The power of truth

वाराणसी | लखनऊ | नई दिल्ली



21 YEARS OF FEARLESS JOURNALISM DEFINING THE POWER OF TRUTH.

लखनऊ | वाराणसी | नई दिल्ली

